



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 4 अक्टूबर 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 331 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आराधना मिश्रा मोना को यूपी की कमान, कांग्रेस ने कैसे ब्राह्मण चेहरे के साथ बनाया नया समीकरण?

यूपी. (एजेंसी)

कांग्रेस पार्टी ने यूपी विधानसभा से पहले एक बड़ा दांव खेला है। रामपुर खास विधानसभा सीट से विधायक आराधना मिश्रा को प्रदेश की कमान सौंपी है। अजय राय की जगह आराधना को यूपी कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने पर सियासी गलियारों में अलग तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कांग्रेस ने आराधना पर क्यों दांव लगाया है इसकी कई वजहें हैं। आइए आपको उनके बारे में सबसे डिटेल से बताते हैं।

आराधना मिश्रा 'मोना' पार्टी के लिए कोई नया चेहरा नहीं हैं। वह वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी की बेटी हैं और खुद उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के दो विधायकों में से एक हैं। आराधना मिश्रा तीन बार की विधायक हैं। वह पहली बार 2014 में उपचुनाव में



प्रतापगढ़ जिले की रामपुर खास विधानसभा से चुनकर आई थीं उसके बाद 2017 और 2022 में भी उसी सीट से चुनाव जीतीं। आराधना को प्रदेश अध्यक्ष बनाने में यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र गौतम की भी भूमिका मानी जा रही है। आराधना उनके खास लोगों में गिनी जाती हैं।

ब्राह्मण-दलित-मुस्लिम समीकरण साधने की कोशिश यूपी में कांग्रेस पार्टी अपनी साख बचाए रखने की पुरजोर कोशिश कर रही है। इंडिया गठबंधन में समाजवादी पार्टी के साथ सीटों का बंटवारा अभी तय नहीं हुआ है। ऐसे में पार्टी अपने संगठन और कांड को मजबूत करने करने के लिए बदलाव कर रही है। कांग्रेस 1980 के दशक में मजबूत रहे अपने ब्राह्मण-दलित-मुस्लिम यानी डीएमबी समीकरण को फिर साधने की फिराक में हैं। पार्टी अकेले दम पर 1989 के बाद प्रदेश में सत्ता में नहीं आई है।

'जनादेश दूसरों को डराने-धमकाने का लाइसेंस नहीं', सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की कॉर्पोरेट की जमानत

दिल्ली. (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चुने हुए प्रतिनिधि पुलिस, एडमिनिस्ट्रेटर या कोर्ट की भूमिका नहीं निभा सकते। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि जनता से मिला जनादेश निजी अधिकार या दूसरों को आदेश देने या डराने-धमकाने की बेलगाम ताकत का जरिया नहीं हो सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एक कॉर्पोरेटर और तीन अन्य लोगों की जमानत रद्द करते हुए ये बात कही।

इन लोगों पर म्युनिसिपल अस्पताल में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के साथ मारपीट करने का आरोप था। बेंच ने कहा कि लोकतंत्र में वोट के जरिए ताकत मिलती है, लेकिन उस ताकत का इस्तेमाल भी कानून के दायरे में रहकर ही किया जा सकता है।

तुर्की से भारत लाया गया इग्स तस्कर नवप्रीत सिंह, अमित शाह बोले- 2029 से पहले नार्को-कार्टेल का होगा खात्मा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि कुख्यात इग्न सरगना नवप्रीत सिंह को तुर्की से भारत प्रत्यर्पित किया गया है। यह मोदी सरकार की मादक पदार्थ विरोधी जंग में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

चंडीगढ़. (एजेंसी)

भारत सरकार ने कथित मादक पदार्थों की तस्करी के सरगना नवप्रीत सिंह को तुर्की से भारत प्रत्यर्पित करवा लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार (3 अक्टूबर) को इसकी जानकारी दी। उन्होंने मोदी सरकार की सराहना करते हुए इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। शाह ने कहा कि मोदी सरकार दिसंबर 2029 से पहले हर नार्को-कार्टेल को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस सफलता के लिए सभी एजेंसियों को बधाई दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा 'भारतीय एजेंसियों ने नवप्रीत सिंह को फर्जी पहचान और तुर्की नागरिकता का इस्तेमाल करने के बावजूद ढूँढ निकाला।



अमित शाह ने सभी एजेंसियों को दी बधाई

शाह ने कहा 'नवाब विर्क की फर्जी पहचान का इस्तेमाल करके तुर्की की नागरिकता हासिल करने के बाद, वह अफगानिस्तान से भारत में हरोइन और मेथामफेटामाइन की तस्करी करता रहा। हमारी एजेंसियों ने उसकी असली पहचान का पता लगाने के लिए एक-एक करके सारे राज खोले और उसे डिपोर्ट करवाया। आज उसे भारत वापस लाया गया है और इग्न तस्करी एवं अन्य अपराधों के मामले में जेल भेज दिया गया है। इस सफलता के लिए सभी एजेंसियों को बधाई'।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने कहा 'मोदी सरकार ने तुर्की से कुख्यात नशीले पदार्थों के तस्कर (नार्को-ट्रेफिकिंग किंगपिन) नवप्रीत सिंह को डिपोर्ट करवाकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है'।

ममता के 'टूटे पैर' पर फिर से सियासी घमासान, CM शुभेंदु ने दिखाई 'नो फ्रैक्चर' रिपोर्ट, CID करेगी जांच

दिल्ली. (एजेंसी)

2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के टूटे पैर मामले की CID जांच करेगी। शनिवार को सीएम शुभेंदु अधिकारी ने यह ऐलान किया। इससे पहले शुक्रवार को नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि 2021 में ममता बनर्जी के पैर में कोई फ्रैक्चर नहीं था और जरूरत पड़ने पर कागज दिखाने की बात कही थी। शनिवार को मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय नवान्न में एक

प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'नो फ्रैक्चर' रिपोर्ट दिखाई। साथ ही उन्होंने कहा कि घटना की CID जांच कर रही है। शुक्रवार को नंदीग्राम उपचुनाव के लिए प्रचार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "उनके पैर में पट्टी बंधी थी।



मुझे पर्सनल अटैक पसंद नहीं हैं, लेकिन उस दिन जो हुआ था, उस बारे में वह बताएंगे। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि कार का दरवाजा लोहे की बीम से टकराया था। दरवाजा वापस आया और उनके पैर पर थोड़ा सा लागा और वह पट्टी बांधकर घूम रही थी, क्योंकि उनका पैर टूट गया था।

इंडिया गठबंधन में शामिल होंगे स्वामी प्रसाद मौर्या, UP में कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ेंगे

उत्तर प्रदेश. (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा की तैयारियां जोर जोर से चल रही हैं। सभी राजनातिक दल सूबे की सत्ता पर काबिज होने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। चुनाव से पहले नेताओं का



पाला बदलने का दौर भी जारी है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या ने इंडिया गठबंधन में शामिल होने का फैसला किया है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति के दिग्गज नेता और राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्या ने आज

(शनिवार, 3 अक्टूबर) कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकत कांग्रेस दफ्तर में मुलाकत की। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश के प्रभारी राजेंद्र गौतम भी मौजूद थे।

इंडिया गठबंधन में शामिल होंगे स्वामी प्रसाद मौर्या मुलाकत के बाद स्वामी प्रसाद मौर्या ने कहा कि वो मौर्या इंडिया गठबंधन में शामिल होंगे। उनका लक्ष्य भाजपा हटाओ होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार दलितों पिछड़ों की आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समान विचारधारा होने के साथ मैंने तय किया है कि हमारी पार्टी इंडिया गठबंधन में शामिल होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे।

आज राष्ट्रीय समानता दल के अध्यक्ष मोतीलाल शास्त्री भी राहुल गांधी से मिले। उनके भी इंडिया गठबंधन में शामिल होने को लेकर चर्चा हुई। इस हार्ड-प्रोफाइल मुलाकत को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा जोरों पर है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति के एक प्रभावशाली नेता

स्वामी प्रसाद मौर्या उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक प्रभावशाली और चर्चित ओबीसी चेहरा रहे हैं। मौर्या बसपा और बीजेपी सरकार में मंत्री रहे हैं। वो समाजवादी पार्टी में भी रहे चुके हैं। हालांकि बोते कुछ साल से वो अपनी अलग पार्टी बनाकर राजनीति कर रहे थे। वहीं अब उनके कांग्रेस में शामिल होने की खबर सामने आई है।

राजनीतिक करियर की शुरुआत

स्वामी प्रसाद मौर्या ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत जनता दल से की थी और बाद में बहुजन समाज पार्टी में लंबे समय तक रहे। 2016 में वो बसपा छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए और योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री (श्रम एवं सेवायोजन) बने।

2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले स्वामी प्रसाद मौर्या ने बीजेपी छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया था। सपा में कुछ समय तक वो विधान परिषद के सदस्य रहे। इसके बाद मतभेदों के चलते उन्होंने सपा से भी इस्तीफा देकर अपनी नई पार्टी 'राष्ट्रीय शोषित समाज

सरकार के पास छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए धनराशि की कमी नहीं: मुख्यमंत्री योगी

कोमी पत्रिका

लखनऊ, 3 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि वर्ष 2026-27 में छात्रवृत्ति का लाभ 70 लाख विद्यार्थियों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। गत वर्ष प्रदेश में 69 लाख विद्यार्थियों को 6,200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की गई। विगत 09 वर्षों में 04 करोड़ से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ दिया जा चुका है। कोई भी पात्र विद्यार्थी इससे वंचित नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री जी आज यहां छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में अल्प आय वर्ग के पूर्वदशम (कक्षा-09-10) तथा दशमोत्तर कक्षाओं के 4.60 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में 148 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि अन्तर्गत करने के उपरान्त अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान छात्रवृत्ति पर आधारित एक प्रेक लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के छात्र-

छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह केवल छात्रवृत्ति वितरण की



शुरुआत नहीं है, बल्कि यह उन लाखों विद्यार्थियों के सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम है, जिनके परिवारों की आर्थिक स्थिति उनकी शिक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं है। गरीब परिवार का अभिभावक जब अपने बच्चों की सामान्य आवश्यकताओं को पूरा करने में ही कठिनाई महसूस करता है, तब शिक्षा का खर्च उसके

लिए अतिरिक्त बोझ बन जाता है। ऐसी स्थिति में छात्रवृत्ति उस विद्यार्थी के लिए बड़ा

सहारा बनती है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार चाहती है कि किसी भी विद्यार्थी को धनराशि के अभाव में अपनी शिक्षा से वंचित न होना पड़े। प्रत्येक छात्र को पढ़ने का अवसर, उचित प्लेटफॉर्म और अच्छी सुविधाएं मिलें, इसके लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से छात्रवृत्ति व्यवस्था को अधिक

पारदर्शी बनाया गया है। डी0बी0टी0 द्वारा छात्रवृत्ति की धनराशि सीधे विद्यार्थियों के खाते में जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के टेक्नोलॉजी आधारित अभियान के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था को विद्यार्थियों तक पहुंचाने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले ऐसी स्थिति थी कि छात्र के लिए भेजी गई छात्रवृत्ति की पूरी धनराशि उसके पास नहीं पहुंच पाती थी। यदि 100 बच्चों के लिए धनराशि जाती थी तो कई बार 60-70 बच्चों तक ही उसका लाभ पहुंच पाता था। आज व्यवस्था ऐसी बनाई गई है कि विद्यार्थी को जितनी धनराशि स्वीकृत है, वही धनराशि सीधे उसके खाते में पहुंचे। बैंक अकाउंट में ज़ीरो बैलेंस होने पर भी अकाउंट खोलने की सुविधा उपलब्ध हुई है। इससे उन विद्यार्थियों के लिए भी बैंक अकाउंट खोलना संभव हुआ है, जिनके पास पहले खाता खुलवाने के लिए आवश्यक धनराशि नहीं होती थी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले छात्रवृत्ति की धनराशि तथा विद्यार्थियों की संख्या भी कम थी।

शेष पृष्ठ 3 पर

ईदगाह जाते हैं, धर्म संसद में भी आएंगे... अखिलेश यादव को बुलाने के लिए लखनऊ में लगाए गए पोस्टर

लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद द्वारा मथुरा कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए धर्म संसद का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भी खुला निमंत्रण दिया गया है।

लखनऊ. (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण को लेकर हिन्दू संगठन द्वारा रविवार (4 अक्टूबर)



को राजधानी लखनऊ में धर्म संसद का आयोजन किया जा रहा है। खास बात ये है कि इस आयोजन में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को भी निमंत्रण दिया गया है। अखिलेश को पोस्टर के जरिए खुला निमंत्रण दिया गया है और उनसे इस आयोजन में

शामिल होने के लिए अपील की गई है।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद (VHRP) की तरफ से अखिलेश यादव को शहर भर में बड़े-बड़े पोस्टर और होर्डिंग लगाकर धर्म संसद में आने का खुला निमंत्रण दिया गया है। शहर के अलग-अलग चौराहों पर अखिलेश को आमंत्रण के पोस्टर लगाए गए हैं। इसके साथ ही अखिलेश के आवास के पास भी आमंत्रण के पोस्टर लगाए गए हैं। 1090 चौराहे और अंबेडकर चौराहे पर भी पोस्टर लगाए गए हैं।

पोस्टर के जरिए अखिलेश पर तंज

बताया जा रहा है कि ये पोस्टर झूठे। ज़रूरी महिला विंग अध्यक्ष प्रियंका ठाकुर और प्रदेश अध्यक्ष बादल यादव ने लगाए हैं। इन पर लिखी गई पंक्तियों ने सूबे का सियासी पारा चढ़ा दिया है। इस पोस्टर में लिखे संदेश से अखिलेश पर राजनीतिक तंज भी कसा गया है।

दिल्ली : जितिया पर्व पर यमुना में बड़ा हादसा, दो महिलाओं की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के वजीराबाद स्थित सुर घाट पर जितिया पर्व के मौके पर यमुना नदी में स्नान के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ। गहरे पानी में डूबने से दो महिलाएं, पिंकी कुमारी और काजल कुमारी, की मौत हो गई। ये दोनों महिलाएं जखीरा इलाके की रहने वाली थीं और साथ में पढ़ाई भी करती थीं। जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाएं अपने परिजनों के साथ जितिया पर्व पर नहाने के लिए सुर घाट पहुंची थीं। स्नान करते समय वे अनजाने में गहरे पानी में चली गईं और वहीं डूब गईं। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। गोताखोरों की टीम ने काफी खोजबीन के बाद दोनों महिलाओं के शवों को नदी से बाहर निकाला। उत्तरी दिल्ली की डीसीपी निहारिका भट्ट ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। एक साथ पड़ने वाली इन संहेलियों की मौत से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट, जा सकते हैं जेल

लखनऊ (एजेंसी)। गाजियाबाद के एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ एक बार फिर गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला वर्ष 2018 का है, जब चंद्रशेखर आजाद पर एक युवक से मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगा था। वादी के वकील भजनलाल गौतम ने बताया कि धर्मेन्द्र कुमार नाम के शख्स, जो गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र के नूरपुर गांव के रहने वाले हैं, ने चंद्रशेखर आजाद पर आरोप लगाया है। धर्मेन्द्र के अनुसार, वर्ष 2018 में वह साहिबबाद क्षेत्र के वृंदावन गार्डन में एक शादी समारोह में गए थे। उसी दौरान चंद्रशेखर भी अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे थे। धर्मेन्द्र ने चंद्रशेखर से पूछा कि वे इतने हथियार क्यों लेकर आए हैं, जिस पर चंद्रशेखर ने कथित तौर पर जवाब दिया था कि दिखाई नहीं दे रहा है, राइफल हैं। धर्मेन्द्र का दावा है कि इसके बाद चंद्रशेखर और उनके साथियों, जिनमें गुलजार सिद्दीकी और पंकज जाटव सहित करीब 15 अज्ञात लोग शामिल थे, ने उनके साथ गाली-गलौज की और मारपीट की। उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। इस घटना के बाद धर्मेन्द्र ने अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। इसी मामले में गाजियाबाद की एमपी-एमएलए कोर्ट ने सांसद के खिलाफ पहले ही वारंट जारी किया था, लेकिन चंद्रशेखर सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश नहीं हुए। वकील गौतम ने बताया कि चंद्रशेखर आजाद लगातार कोर्ट की कार्यवाही से अनुपस्थित रहे हैं। इस बार 28 सितंबर को भी उनकी पेशी थी, लेकिन वह अदालत में हाजिर नहीं हुए। उनकी लगातार अनुपस्थिति को देखते हुए, अदालत ने उनके खिलाफ फिर से गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया है। कोर्ट ने अब मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 अक्टूबर की तारीख तय की है।

43वीं मंजिल से युवक ने लगाई छलांग, कई टुकड़ों में बंटा शरीर

नोएडा, (एजेंसी)। नोएडा के सेक्टर-94 में सुपरनोवा सोसाइटी की 43वीं मंजिल से कूदकर एक युवक ने जान दे दी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मामला थाना सेक्टर-126 क्षेत्र का है। ऊंचाई से गिरने के कारण युवक का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। सामने आया है कि युवक के शरीर के कई हिस्से हो गए। जानकारी के मुताबिक मृतक ने एक दिन पहले ही सुपरनोवा में कमरा बुक किया था। घटना के दौरान जब युवक ऊंचाई से कूदने की कोशिश कर रहा था, तभी वहां मौजूद एक एसी मैकेनिक ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह उसे रोक नहीं सका। बताया गया है कि घटना से पहले युवक ने एसी मैकेनिक से कहा था कि वह डिप्रेशन में है। इसके बाद युवक 43वीं मंजिल से गिर गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजौरी में एलओसी पार कर आई पीओके की महिला गिरफ्तार

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाली पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की महिला को पकड़ा है। यह संवेदनशील घटना नौशेरा सेक्टर के पुख्रेनी गांव के पास उस वक्त हुई, जब महिला भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने की कोशिश कर रही थी। सेना ने तत्काल कार्रवाई कर महिला को हिरासत में ले लिया। पकड़ी गई महिला की पहचान सामिया अजीम के रूप में हुई है, जो पीओके के कोटली जिले के खुदरेंग्रा की निवासी है। सेना द्वारा की गई शुरुआती पूछताछ में उसके पास से कोई भी संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ है। हालांकि, सीमा सुरक्षा के मद्देनजर गंभीर मामला माना जा रहा है। भारतीय सेना ने महिला को आगे की गहन पूछताछ के दौरान पहचान सत्यापित करने और भारत में उसके प्रवेश की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाने के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस अब मामले की विस्तृत जांच कर रही है ताकि सभी पहलुओं को स्पष्ट किया जा सके।

6 अक्टूबर बीजेपी के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाने का सबसे बेहतरीन मौका

नंदीग्राम के मुस्लिम बहुल इलाके में चुनावी सभा में सीएम शुभेंदु बोले

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल की हार्ड-प्रोफाइल नंदीग्राम विधानसभा सीट पर 6 अक्टूबर को होने जा रहे उप-चुनाव से पहले सीएम शुभेंदु अधिकारी ने एक बड़ा दांव खेला। उन्होंने नंदीग्राम के मुस्लिम बहुल इलाके में रैली को संबोधित करते हुए अल्पसंख्यक मतदाताओं से बीजेपी को समर्थन देने की भावुक अपील की और इसे पार्टी के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाने का सबसे शुभ अवसर बताया। बीजेपी प्रत्याशी हंसिरानी रथ के पक्ष में प्रचार करते हुए शुभेंदु ने कहा कि टीएमसी का अस्तित्व अब पूरी तरह खत्म हो चुका है, इसलिए बीजेपी से दूरी बनाए रखने का अल्पसंख्यक समाज को अब कोई फायदा नहीं होगा। नंदीग्राम ब्लॉक-2 के बिरलिया बाजार में, जहां परंपरागत रूप से अल्पसंख्यक आबादी ज्यादा होने से बीजेपी को कड़ी चुनौती



मिलती रही है। शुभेंदु ने कहा कि हमारे साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाने का कोई दबाव नहीं बनाना। समय है। 6 अक्टूबर एक बेहद शुभ दिन है, और दोस्त के तौर पर हमारा हाथ थामने का ऐसा मौका दोबारा नहीं मिलेगा। हां, हम जय

श्री राम का नारा लगाते हैं, लेकिन हम आप पर यह बोलने का कोई दबाव नहीं बनाते। आप चाहें तो जय श्री राम न बोलकर सिर्फ भारत माता की जय बोल सकते हैं। सीएम शुभेंदु ने चुनाव को अपने पूर्व पीए

चंद्रनाथ रथ की निर्मम हत्या से जोड़ते हुए मतदाताओं से इसे एक लोकतांत्रिक प्रतिशोध का जरिया बनाने को कहा। हंसिरानी रथ, चंद्रनाथ रथ की ही मां हैं। चंद्रनाथ की 6 मई को कोलकाता के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि चंद्रनाथ का कसूर सिर्फ इतना था कि वह उनके करीब थे। उन्होंने कहा कि यूपी के शूटरों और बिहार के मुर्गेर के लोगों के जरिए चंद्रनाथ के करीबी ने ही 2 करोड़ रुपये की सुपारी देकर यह हत्या करवाई थी। उन्होंने दावा किया कि सीबीआई इस मामले में 90फीसदी जांच पूरी कर चुकी है और कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। अब बस डायमंड हार्बर कंपनी को औपचारिक रूप से जोड़ना बाकी है। उन्होंने कहा कि 6 अक्टूबर को ईवीएम पर बटन दबाकर चंद्रनाथ की हत्या का लोकतांत्रिक जवाब दिया जाना चाहिए।

प्रियंका कक्कड़ ने छोड़ी आप, कांग्रेस में शामिल; राहुल गांधी की जमकर तारीफ

नईदिल्ली , एजेंसी।

ईएमएस आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता रहीं प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। उनके साथ उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा और पत्रकार राजत राकेश टंडन ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। तीनों का कांग्रेस में शामिल होना ऐसे समय हुआ है, जब विपक्षी राजनीति में नए समीकरणों को लेकर चर्चा तेज है। कांग्रेस में शामिल होने के बाद प्रियंका कक्कड़ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने की वजह बताते हुए कहा, अब वह पार्टी के उन फैसलों का बचाव नहीं कर सकतीं, जिन्हें वह गलत मानती हैं। उन्होंने कहा कि आप जब राजनीति में आई थीं, तब उसके नेता बंगला और सरकारी सुविधाएं नहीं लेने की बात करते थे, लेकिन बाद में निजी हेलिकॉप्टर जैसे साधनों के इस्तेमाल करने की स्थिति सामने आई। उन्होंने सवाल उठाया कि पार्टी में जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं की जगह ऐसे लोगों को महत्व क्यों दिया



जा रहा है, जिन्होंने बूथ स्तर मे भी काम नहीं किया। कक्कड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की खुलकर प्रशंसा करते हुए उन्हें भारतीय राजनीति का +अर्थेटिक+ और संघर्षशील नेता बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों और राजनीतिक दबाव के बावजूद राहुल गांधी लगातार अपनी बात पर कायम रहे। उन्होंने यह भी कहा कि देश में लोकतंत्र और +आईडिया ऑफ इंडिया+ को मजबूत करने के लिए राहुल गांधी और कांग्रेस के साथ खड़ा होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह ऐसी दिल्ली चाहती हैं, जो हरी-भरी, स्वच्छ, प्रगतिशील और सुरक्षित हो। उनका मानना है कि कांग्रेस ही दिल्ली को ऐसा स्वरूप दे सकती है।

हमारी समान विचारधारा है, समान लड़ाई है, मैं चाहता हूं राहुल बने अगले पीएम

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मोर्य कांग्रेस नेता से मिले, इंडिया गठबंधन में होंगे शामिल

लखनऊ, एजेंसी।

यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मोर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की है। स्वामी प्रसाद मोर्य ने बताया कि उन्होंने इंडिया गठबंधन के साथ रहने का फैसला किया है और वे चाहते हैं कि देश के अगले पीएम राहुल गांधी बनें। मोर्य ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात पर कहा कि राहुल गांधी एससी-एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और देश से जुड़े सभी मुद्दों पर आवाज उठा रहे हैं, संघर्ष कर रहे हैं। इन्हीं मुद्दों को लेकर मैं यूपी में काम कर रहा हूं। हमारी समान विचारधारा है, समान लड़ाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वामी प्रसाद मोर्य ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार में करोड़ों नौजवान बेरोजगार हो रहे हैं, सरकार की गलत नीतियों के कारण सरकारी नौकरियां मिलनी बंद हो गई हैं। एससी-एसटी, ओबीसी का आरक्षण निष्प्रभावी कर दिया गया है। देश में गरीबी लगातार बढ़ रही है। 140 करोड़ लोगों की



आबादी में 80 करोड़ लोगों का जीवन 5-10 किलो गेहूँ-चावल पर अटक गया है। मोर्य ने कहा कि महंगाई बढ़ रही है। किसानों से वादा करने के बावजूद उन्हें लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं। हर साल करीब 10 हजार स्कूल बंद होने की कगार पर हैं। अरबों-खरबों की संपत्ति को उद्योगपतियों के हवाले की जा रही है। मोर्य ने कहा कि इन तमाम समस्याओं से निपटने के लिए हम यूपी में जद्दोजहद तो कर ही रहे हैं लेकिन देश स्तर पर विकल्प कांग्रेस है, इसलिए आज इंडिया गठबंधन के

साथ रहने का फैसला किया है। इसी विषय पर आज बातचीत हुई है। हम चाहते हैं देश के अगले पीएम राहुल गांधी हों। बता दें शनिवार को पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा, राजीव शुक्ला, राजेंद्र पाल गौतम और स्वामी प्रसाद मोर्य 10 जनपथ पहुंचे थे। इससे पहले स्वामी प्रसाद मोर्य बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर बीजेपी में चले गए थे, लेकिन 2022 विधानसभा चुनाव से पहले मोर्य बीजेपी से इस्तीफा देकर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए थे। बता दें स्वामी प्रसाद मोर्य यूपी सरकार में मंत्री, सदन के नेता और विपक्ष के नेता रहे। वह योगी सरकार में श्रम, रोजगार और समन्वय के कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्यरत थे। मोर्य का जन्म 2 जनवरी 1954 को यूपी के प्रतापगढ़ जिले के चकवाड़ में हुआ था। उन्होंने तब बसपा, फिर बीजेपी और कुछ साल सपा में रहने के बाद स्वामी प्रसाद मोर्य ने अपनी पार्टी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी बनाई थी। अब इंडिया गठबंधन में शामिल होने का फैसला लिया है।

कम मानसूनी बारिश के बाद सूखे का खतरा: किसानों और लोगों को क्या मिलेगी राहत?

नई दिल्ली , एजेंसी।

देश में इस साल का मानसून सीजन तकनीकी रूप से समाप्त हुआ है, और मानसून आंकड़ों के अनुसार, जून से सितंबर के बीच पूरे देश में औसतन सामान्य से करीब 13 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। इस कमी का सबसे अधिक असर पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में देखने को मिला, जहाँ बारिश सामान्य से करीब 25 प्रतिशत कम रही। इसी तरह, दक्षिण प्रायद्वीप में भी करीब 24 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जिससे कई इलाकों में सूखे जैसी परिस्थितियाँ बनने की आशंका गहरा गई है। हालाँकि, इन आंकड़ों के बावजूद, यह समझना महत्वपूर्ण है कि पूरे देश को एक साथ सूखा प्रभावित घोषित किया

जाएगा, ऐसा जरूरी नहीं है। सूखे का आकलन केवल कुल मानसूनी बारिश के आधार पर नहीं किया जाता। किसी क्षेत्र में कितनी बारिश हुई है, फसलों को वर्तमान स्थिति कैसी है, मिट्टी में नमी का स्तर क्या है, जलाशयों और भूजल की स्थिति कैसी है, और सबसे महत्वपूर्ण, खेती पर इसका कितना समग्र असर पड़ा है - इन सभी पहलुओं का बारीकी से विश्लेषण करने के बाद प्रतीशत कम बारिश होने का मतलब यह नहीं है कि केंद्र सरकार पूरे भारत को सूखा प्रभावित घोषित करेगी। इसके बजाय, राज्य सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति का गहन आकलन कर प्रभावित जिलों या विशिष्ट इलाकों को सूखा प्रभावित घोषित करने का निर्णय

ले सकती हैं। बारिश की कमी का असर खेती-किसानी पर भी पड़ना तय है। पंजाब और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में पानी की कमी से कृषि प्रभावित होने की स्थिति बन रही है। हालांकि, दक्षिण भारत के लिए अक्टूबर से दिसंबर के बीच होने वाली उत्तर-पूर्वी मानसूनी बारिश महत्वपूर्ण राहत दे सकती है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में सालभर होने वाली बारिश का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा इसी मानसून से आता है, जबकि तमिलनाडु और पुडुचेरी में यह हिस्सेदारी करीब 48 प्रतिशत तक पहुँच जाती है। इसके बाद आने वाले महीनों की यह बारिश इन क्षेत्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि किसी राज्य या जिले को

आधिकारिक तौर पर सूखा प्रभावित घोषित होता है, तब किसानों और ग्रामीण आबादी को राहत पहुँचाने के लिए विभिन्न उपाय हो सकते हैं। फसल खराब होने की स्थिति में किसानों को सीधे आर्थिक राहत या कृषि इनपुट सहायता दी जा सकती है। जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है, उनके लिए नुकसान के आकलन के आधार पर बीमा दावों का निपटान महत्वपूर्ण होगा। प्रभावित क्षेत्रों में पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ पशुपालकों के लिए चारे और पानी की व्यवस्था की जा सकती है। सूखे की स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की मांग बढ़ जाती है, इस देखकर ग्रामीण रोजगार योजनाओं के माध्यम से लोगों को रोजगार और मजदूरी उपलब्ध कराने



पर जोर हो सकता है। राज्य सरकारें अपने उपलब्ध आपदा राहत संसाधनों से सहायता प्रदान कर सकती हैं और नियमों के अनुसार केंद्र सरकार से भी वित्तीय मदद की मांग कर सकती हैं। यह समझना आवश्यक है कि सूखा घोषित

होने पर हर किसान को अपने-आप कोई निश्चित रकम मिल जाए, ऐसा कोई स्वचालित प्रावधान नहीं है। राहत की मात्रा और उसका स्वरूप प्रभावित क्षेत्र, वास्तविक नुकसान और लागू सरकारी योजनाओं पर ही निर्भर करेगा।

बिहार में जब्त शराब से सैनिटाइजर, मांझी का अनूठा सुझाव

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री जितन राम मांझी ने बिहार में जब्त शराब के निपटान को लेकर राज्य सरकार को अनूठा सुझाव दिया है। उन्होंने शराब को नष्ट करने के बजाय उससे सैनिटाइजर जैसे उत्पाद बनाने का प्रस्ताव दिया है। केंद्रीय मंत्री मांझी, जो शराबबंदी के मुखर आलोचक रहे हैं, का मानना है कि इससे सरकार को राजस्व का लाभ होगा और राज्य के कल्याण में योगदान मिलेगा। केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा, जितनी भी शराब पकड़ी जा रही है, बिहार सरकार उस शराब को इकट्ठा कर उससे सैनिटाइजर सहित अन्य उपयोगी उत्पाद बनाए। शराब को नष्ट करने के बजाय, इस प्रकार उसका उपयोग करके सरकार राजस्व बचा सकती है और उस राशि को राज्य के विकास एवं कल्याण कार्यों में खर्च कर सकती है। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम सरकार के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। यह सुझाव तब आया है जब मांझी लगातार बिहार में शराबबंदी कानून पर सवाल उठाते रहे हैं, विशेषकर इसके गहरा वर्ग पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर। हालांकि, जनता दल (युनाइटेड) के नेताओं और हाल ही में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने साफ किया है कि राज्य में शराबबंदी जारी रहेगी और इसमें कोई ढील नहीं दी जाएगी। शराबबंदी को खत्म करने की उनकी पिछली मांगों पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलने के बाद, मांझी ने यह नया दृष्टिकोण पेश किया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मांझी के इस अनूठे प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं, और क्या जब्त शराब से राजस्व कमाने का यह विचार सरकार द्वारा स्वीकार किया जाता है।



ममता के साथ शिवसेना और आम आदमी पार्टी ने भी किया सीजेपी को सपोर्ट

सीजेपी का ऐलान ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को बड़ा प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन को समर्थन दिया है। शुक्रवार को दिल्ली से लौटने के बाद कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने सीजेपी, युवाओं और छात्रों के आंदोलन के समर्थन की बात कही। उन्होंने कहा कि वह सीजेपी और युवा पीढ़ी के साथ पूरी तरह खड़ी हैं और ऐसी ज्वादतियों को रोकने की अपील करती हैं। बता दें इन प्रदर्शनों में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जा रही है। ममता बनर्जी ने अगस्त में भी दिल्ली में नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर सीजेपी के प्रदर्शन का समर्थन

किया था। अहम बात यह है कि ममता के साथ-साथ शिवसेना और आम आदमी पार्टी ने भी सीजेपी को सपोर्ट किया है। सीजेपी ने अब घोषणा की है कि अगर ज्ञानेश कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर फिर बड़ा प्रदर्शन करेंगे। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने शुक्रवार रात मुंबई के शिवाजी पार्क में हुए प्रदर्शन के बाद यह ऐलान किया। पुलिस की ओर से अनुमति नहीं मिलने के बावजूद शिवाजी पार्क में बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में पहुंचे थे। दिपके ने 10 अक्टूबर के आंदोलन को लेकर कहा कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा और वे महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर चलेंगे। उन्होंने कहा कि अब यह सरकार और दिल्ली पुलिस पर निर्भर है कि

वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान करते हैं या 20 जुलाई को हुई कार्रवाई जैसी स्थिति दोहराते हैं। उन्होंने इस आंदोलन को लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई बताया और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव चाहने वाले नागरिकों से इसमें शामिल होने की अपील की।

सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के साथ उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने 2025 की मतदाता सूचियों की फ़ीज करने और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को खत्म करने की भी मांग रखी है। संगठन के नेताओं का दावा है कि कई राज्यों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं और नए नाम जोड़े गए हैं। दिपके ने दावा किया कि दो सालों में 13



करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की मतदाता सूची में 40 लाख नए मतदाता जोड़े गए थे। उन्होंने दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभा सीटों में भी मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया है कि मतदाता सूची में बदलाव से सत्तारूढ़ बीजेपी को फायदा हुआ।

दीपके के खिलाफ थाने पहुंची ऐडवोकट, दर्ज करवाई शिकायत

मुंबई (एजेंसी)। ऐतिहासिक शिवाजी पार्क के बाहर शुक्रवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर एक बड़ा प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए, जहां सीजेपी के प्रवक्ताओं (जिनमें अभिजीत दीपके भी शामिल हैं) ने सरकार पर तीखा हमला बोला। इस प्रदर्शन को लेकर स्थानीय स्तर पर तीखा विरोध देखने को मिला। शिवाजी पार्क के आसपास रहने वाले निवासी शुरुआत से ही इसके खिलाफ थे। प्रदर्शन के बाद, वकील सिद्धी देवलेकर ने अभिजीत दीपके और सीजेपी के संस्थापकों के खिलाफ पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में मुख्य आरोप यह लगाया गया है कि पुलिस से अनुमति न मिलने के बावजूद यह प्रदर्शन किया गया, जिससे इलाके की शांति भंग करने का प्रयास किया गया। वकील ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2013 के उस फैसले का हवाला दिया, जिसके तहत शिवाजी पार्क में किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध है। इसी आदेश का पालन करते हुए मुंबई पुलिस ने इस आयोजन की अनुमति नहीं दी थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि नियमों की अनदेखी कर भारी भीड़ जुटाई गई, जिससे आम नागरिकों को भारी असुविधा और दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस आयोजन के विरोध में कई जगहों पर स्थानीय लोग भी सड़कों पर उतर आए, जिसके चलते यह पूरा मामला राजनीतिक और कानूनी विवाद का केंद्र बन गया है।

कर्नाटक में मुस्लिमों के नाम हटाने की साजिश, बीजेपी नेताओं पर एफआईआर

-राज्य के अलग-अलग हिस्सों में फॉर्म-7 के जरिए वोटरों के नाम हटाने के आरोप

बेंगलुरु, एजेंसी।

कर्नाटक में एसआईआर को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में फॉर्म-7 के जरिए वोटरों के नाम हटाने की कोशिश के आरोप लगे हैं। इन मामलों में बेलगावी, मैसूर और बीरदर समेत कई जगहों पर एफआईआर भी दर्ज की गई है। पुलिस अब शिकायतों में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। बेलगावी में बीजेपी नेता रवि बी पाटिल और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एसआईआर के दौरान फॉर्म-7 के जरिए मुस्लिम वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश

की गई। पुलिस के मुताबिक यह मामला बेलगावी मार्केट पुलिस स्टेशन में 30 सितंबर को दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता बेलगावी नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 में बीजेपी के बूथ लेवल एजेंट हैं। शिकायत में आरोप लगाया कि 22 सितंबर को बीएलओ की मदद के दौरान रवि पाटिल, शंकर बीरप्पा नाइक और प्रशांत दीपक मुंडिनमनी समेत कुछ लोग वहां पहुंचे। इन लोगों ने मुस्लिम वोटरों को निशाना बनाते हुए फॉर्म-7 आवेदन जमा करने की कोशिश की। बीरदर जिले के भालकी में भी फॉर्म-7 से जुड़ी शिकायत सामने आई है। 40 साल के कारोबारी और वोटर ने शिकायत में आरोप लगाया कि एसआईआर में उन्हें और 3,244 अन्य वोटरों को गलत तरीके से दूसरी जगह रहने वाला या अनुपस्थित बताया गया। इस शिकायत

के बाद 1 अक्टूबर को 32 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। मामले में वोटरों के नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 का इस्तेमाल किए जाने की जांच की जा रही है। मैसूर में सामाजिक कार्यकर्ता ने शिकायत दर्ज कराई है उनका आरोप है कि उनके, उनके परिवार के सदस्यों और मुस्लिम समुदाय के कुछ अन्य लोगों के नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 आवेदन जमा किए गए हैं। शिकायत में यह बताया गया था कि संबोधित लोग अपने पते पर नहीं रह रहे हैं, जबकि शिकायतकर्ता के मुताबिक वे कई सालों से वहीं रह रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने हरिश कुमार सी, राधेवंद एम और बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चे से जुड़े अनिल थॉमस समेत अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

विजय सिंह अधिकारी को पुनः जिला करोल बाग अध्यक्ष किया नियुक्त

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी(रामविलास पासवान) दिल्ली प्रदेश ने विजय सिंह अधिकारी को पुनः जिला अध्यक्ष करोल बाग नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम में आए लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) मुख्य अतिथि आशु चौहान उपाध्यक्ष श्री अनुपम कुमार झा उपाध्यक्ष वशिष्ठ अतिथि बलराम चौधरी

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी को पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीडिता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहनों का एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीडिता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला

और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख



देखकर वह भाव बिभोर हो गए की कार्यकर्ताओं के जो जोश को देखते हुए आशु चौहान ने कहा कि आने वाले नगर निगम चुनाव में हम विजय अधिकारी को टिकट के लिए पुरजोर कोशिश करेंगे अनुपम कुमार ने विजय कुमार अधिकारी को खुले मंच से कहा शारदा पुरी कीर्ति नगर में किसी भी कार्यकर्ता की समस्या हो अस्पताल पुलिस प्रशासन स्कूल सफाई व्यवस्था आदि की हो हम उसके समाधान के लिए आपके साथ खड़े हैं वह चाहे आवाज हमें संसद भवन में उठानी पड़े पीछे नहीं हटेंगे बलराम चौधरी ने कहा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) गरीब दलित पिछड़े लोगों की पार्टी है जो इन्हें ऊपर उठने का काम कर रही है उन्होंने कहा सर्वय रामविलास पासवान विश्व में सबसे ज्यादा वोटो से जीते हुए सांसद थे वह जिन जिन मंत्रालयों में रहे वहां उन्हें मजदूर के हित में ही काम किया चाहे वह रेल मंत्रालय हो या दूर संचार मंत्रालय हो आदि इसलिए उन्हें गरीबों का हितैषी कहा गया है जब तक सूरज चांद रहेगा रामविलास पासवान जी का नाम रहेगा उन्ही के

पद चिन्हों पर हमारे नेता चिराग पासवान चल रहे हैं जो गरीबों के हित की बात करते हैं और दूरशी सोच रखते हैं दिल्ली में विजय अधिकारी जैसे कार्यकर्ता पार्टी में होंगे तो पार्टी बहुत मजबूत बनेगी विजय अधिकारी ने आए अतिथियों का उत्तराखंड को टोपी और सरोफा उड़कर फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया उन्होंने आये अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे शीर्ष नेताओं ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे निष्ठा पूर्वक निभाऊंगा पार्टी को मजबूत कर चिराग पासवान की नीतियों को घर-घर तक पहुंचेजाऊंगा कार्यकर्ताओं की की भीड़ देखकर खुद अधिकारी जी भावुक हो और उन्होंने कहा की मुझे उम्मीद नहीं थी कि मेरे समर्थन में इतने कार्यकर्ता इकट्ठे होंगे उन्होंने आने वालों कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया और उन्होंने कुछ कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र भी दिलवाए और इन्होंने खुले मंच से कहा आम लोग मेरा अपना अपना परिवार है किसी की कोई भी समस्या हो आपकी सेवा के लिए मेरे घर के दरवाजे 24 घंटे खुले हैं आपकी सेवा में हमेशा तत्पर रहूंगा

सरकार के पास छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए धनराशि की कमी नहीं

प्रथम पृष्ठ का शेष
कई बार समय से छात्रवृत्ति नहीं मिल पाती थी। उन्होंने वर्ष 2016-17 का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति तक नहीं भेजी गई थी। यदि सरकार की नीयत साफ हो, तो विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद वित्तीय वर्ष 2016-17 तथा 2017-18 की छात्रवृत्ति को सम्बन्धित विद्यार्थियों तक पहुंचाने का कार्य किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले प्रवेश में छात्रवृत्ति लिए लगभग 2,900 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध होती थी, जबकि आज लगभग 6,200 करो? रुपये छात्रवृत्ति के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह पहले की तुलना में दोगुने से अधिक की वृद्धि है। गत वर्ष अनुसूचित जाति-जनजाति के 26.26 लाख विद्यार्थियों, अल्पसंख्यक वर्ग के 5.89 लाख बच्चों, पिछ? वर्ग के 37 लाख विद्यार्थियों तथा सामान्य वर्ग के 9.40 लाख विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति दी गई। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि छात्रवृत्ति की धनराशि विद्यार्थियों को पूरे वर्ष बाद मिलने की व्यवस्था उचित नहीं है। विद्यार्थी जब एडमिशन लेता है, उसी के बाद छात्रवृत्ति की प्रक्रिया पूरी होनी चाहिए और पात्र विद्यार्थी के बैंक अकाउंट में धनराशि पहुंचनी चाहिए। इसी उद्देश्य से छात्रवृत्ति को समयबद्ध तरीके से वर्ष में दो बार उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। 02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती के दिन राजकीय अवकाश होने के

कारण 03 अक्टूबर से इस वर्ष की छात्रवृत्ति की शुरुआत की जा रही है। प्रयास है कि आगामी 26 जनवरी तक सभी पात्र विद्यार्थियों तक छात्रवृत्ति की धनराशि हर हाल में पहुंच जाए। मुख्यमंत्री जी ने समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से कहा कि विद्यार्थियों के बैंक अकाउण्ट में धनराशि नियमित रूप से जाती रहे और कोई बच्चा छूटने न पाए। गत वर्ष जानकारी लेने पर लगभग 04 लाख ऐसे बच्चे सामने आए, जिन्हें किन्हीं कारणों से छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई थी। इसके बाद पीटेंट को सफाई कराया गया और ऐसे विद्यार्थियों तक भी धनराशि पहुंचाने की व्यवस्था शुरू की गई, जो किसी संस्था की वजह से, समय से आवेदन न कर पाने के कारण अथवा किसी ट्रुटि के कारण पिछले वर्ष छात्रवृत्ति से वंचित रह गए थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि छात्रवृत्ति के साथ-साथ प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन किया गया है। वर्ष 2017 से पहले बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में ड्रॉपआउट रेट 19 से 20 प्रतिशत तक था। यदि 100 बच्चे एडमिशन लेते थे, तो उसमें से 20 बच्चे अस्थाय स्कूल छो? देते थे। वर्ष 2017 में जब हमारी सरकार बनी तो बच्चों के स्कूल छो?ने के कारण के बारे में पता लगाया। अध्ययन में यह सामने आया कि बड़ी संख्या में बालिकाएं विद्यालय छोड़ रही थीं। इसके पीछे विद्यालयों में पेयजल, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का अभाव प्रमुख कारण था। सरकार ने ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से

इन व्यवस्थाओं में उल्लेखनीय सुधार किया। बेसिक शिक्षा विद्यालयों को सेसुरेशन के लक्ष्य तक पहुंचाने का कार्य किया गया। बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग टॉयलेट, पेयजल, अच्छी फर्श, फर्नीचर, डिजिटल लाइब्रेरी आदि सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज बेसिक शिक्षा परिषद के लगभग 01 करोड़ 60 लाख बच्चों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिक्षा विभाग के बच्चों की शिक्षा के लिए भी सरकार ने विशेष व्यवस्था की है। 18 कमिश्नरी में अटल आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें लगभग 18,000 बच्चों का एडमिशन हो चुका है। सरकार इन बच्चों के पालन-पोषण, अच्छे वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था कर रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गरीब परिवारों की बेटियों को शिक्षा से जोड़ने के लिए कस्तूरबा गांधी विद्यालयों की संख्या में भी व्यापक विस्तार किया गया है। वर्तमान में प्रदेश के 746 विकास खण्डों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय

संचालित हो रहे हैं। इसका उद्देश्य बेटियों को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा उपलब्ध कराना है। पहले प्रदेश के अनेक पुराने इण्टर कॉलेजों के भवन जर्जर हो चुके थे। प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत 2,300 से अधिक विद्यालयों के नए भवन बनाए गए हैं। विद्यालयों में नई लैब, लाइब्रेरी, क्लास रूम, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी तथा अटल टिकरिंग लैब जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में भी सुधार किया गया है। पहले तीन माह परीक्षा, तीन माह परिणाम और अगले सत्र में एडमिशन की प्रक्रिया में तीन माह समय लगता था। लगभग तीन माह दीपावली, होली, ईद आदि त्योहारों में छुट्टी भी रहती थी। अब हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं 15 दिनों में आयोजित की जा रही है। लगभग 15 दिन के भीतर परिणाम घोषित किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थी समय से आगे की शिक्षा में प्रवेश ले सकें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश को लेकर देश के अनेक हिस्सों में नकारात्मक धारणा बनी हुई थी। उन्होंने दांगों, कर्फ्यू, कानून-व्यवस्था, विद्यालयों की खराब स्थिति तथा शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश के अन्दर नो कर्फ्यू, नो दंगा, अब

यूपी00 में है सब चंगा। अब यूपी00 तेजी के साथ आगे बढ़ा है। उत्तर प्रदेश बीमार राज्य की श्रेणी से निकलकर रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। आज उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रदेश के लोगों में यह आत्मविश्वास बढ़ा है कि वे गरीब के साथ कह सकते हैं कि वे उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। आज उत्तर प्रदेश खुशहाली की जिस राह पर चल पड़ा है, वह समृद्धि के नये सोपान चूमेगा। उन्होंने इसे प्रदेश की जनता द्वारा चुनी गई सरकार के कार्यों का परिणाम बताया। आप सभी लोग यूपी00 के सारथी हैं। आप की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। सही मार्ग का अनुसरण करते हुए आप सभी को अनेक मुक्तियों की व्यवस्था शुरू की है। विद्यार्थी

फिजिकली अथवा वर्चुअली इससे जु?कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना लागू की है। इसके माध्यम से बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की शिक्षा के विभिन्न चरणों में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस योजना के अन्तर्गत 25,000 रुपये तक की सहायता विभिन्न रूपों में उपलब्ध कराई जाती है। बेटी के जन्म पर रजिस्ट्रेशन के साथ राशि, कक्षा में प्रवेश के चरणों में निर्धारित सहायता और आगे की शिक्षा के चरण में भी धनराशि उसके

खाते में पहुंचती है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत बेटी के विवाह के लिए अब 01 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। इस स्नातक फाइनल ईयर की लगभग 50,000 मेधावी बेटियों को अगले महीने स्कूटी की सुविधा उपलब्ध करवाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने विद्यार्थियों को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य से जो?ते हुए कहा कि आज 15 से 18 वर्ष की आयु के जो विद्यार्थी हैं, आने वाले 21 वर्षों में वे देश के कार्यशील वर्ग का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। जब आज के विद्यार्थी उस आयु में पहुंचेंगे, तब भारत विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ चुका होगा।

NAME CHANGE I, Andavarapu Nihal Subudhi, S/O A Balakuntha Rao Subudhi, R/O Flat No-102, Prabharaku Regency, near Thakurani Temple, Brahmapur Sadar 760009, Ganjam, Odisha have changed my name to Andavarapu Nihal for all future purposes.	NAME CHANGE I, Sanyas D/o Amitabh Rai R/O W-109, 1st floor , Uppal Southend , near omaxe mall , Uppal Southend , sector -49, Gurgaon have changed my name to Sanyas Rai for all future.
NAME CHANGE I, Kuldeepak Kumar, S/O Uday Ram, R/O Kh.No-249, Sushant Vihar, Kadiapur, North West Delhi, Delhi- 110036 have changed my name to Kuldeep Kumar for all future purposes.	NAME CHANGE I, Jitender Singh S/o- Ishwar Singh, R/O 495, near badi Chaupal , Gurgaon-122001 have changed my name Jitender for all future purposes.
NAME CHANGE I, Zakir Hussain, S/O Kismat Ali, R/O House No-408, Gali No-7, Near Tau Devi Lal Park, Nable Enclave West, Gurgaon, Haryana- 122001 have changed my name to Jakir Hussain for all future purposes.	PUBLIC NOTICE GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. PREM SINGH IS OWNER AND IN POSSESSION OF "PORTION OF PROPERTY BEARING NOS. 272 & 273, ADMESURING 30 SQ. YARDS OUT OF TOTAL LAND AREA MEASURING 500 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NOS. 5/25 & 1/44 SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGE RAZAPUR KHURD AND THE COLONY KNOWN AS RAKSHA ENCLAVE, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059." AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED G.P. NOTARIZED AT5 & WILL DT. 25.08.2020 EXECUTED BY MR. DIWAN SINGH. NOW MRS. MEENAKSHI GUPTA IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. PREM SINGH, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.
NAME CHANGE I, JC-319007L SUB PERAM SRINIVASA REDDY S/O SAIDI REDDY residing at H NO-7-15/103, FLAT NO-103, SSV NILAYAM, ABDULLA PURMET, SAI NAGAR COLONY, PO: PEDDA AMBERPET, DIST:RANGAREDDY, TELANGANA-501505, have changed my name from PERAM SRINIVASA REDDY to PERAM SRINIVASAREDDY for all future purposes vide Affidavit dated 03/10/2026 before Notary Public, Delhi.	ADITYA VERMA, ADVOCATE E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032. MOBILE No. 9999042521 / 9958996685.
NAME CHANGE I, ASIN NAAZ D/O MOHD ASIF R/O R-124 GALI NO-22 BRAHMAMPURI SEELAMPUR DELHI-110053 have changed my name to SWALEHA for all future purposes.	कौमी पत्रिका संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रतिष्ठा प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया टोपिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छात्रक प्रकाशित किया।
NAME CHANGE I, ANOOP KUMAR BIDHURI / ANOOP BIDHURI S/O PRATAP SINGH KHAN R/O E-128, SAKET, DELHI-110017 have changed my name to ANOOP KUMAR for all future purposes.	Corporate Office: 5, Bahadur Zafar Marg, JTO, New Delhi-110002 फोन : 011-41509689, 23315814 मोबाइल नंबर : 9312262300
NAME CHANGE I, SHAUKEN ALI S/O ABDUL GHAFUR R/O H NO-1301 STREET NO-43 JAFRABAD DELHI 110053 I HAVE CHANGED MY NAME TO SHOKIN ALI	E-mail address: qpatrika@gmail.com Website: www.guampatrika.in
NAME CHANGE I, SHIV KUMAR S/O BALAAKRAM R/O Manpur Viku, Post Bewar, Manpur Biku, Manpur Uttar Pradesh-206301, have changed my name and shall hereafter be known as SARVESH KUMAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.	R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
NAME CHANGE I, Jitherto known as Himanshu Kumar S/O Pramesh Kumar, R/O Plakhiin, Doodhli, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 247772, have changed my name and shall hereafter be known as HEEMANSHU KUMAR.	Legal Advisors: Advocate Mohd. Sajid Advocate Dr. A.P.Singh Advocate Manish Sharma Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भारतीय पायलट स्मित मच्छर ने 9/11 जैसी त्रासदी की आशंका टाली, 180 लोगों की जान बचाने में निभाई अहम भूमिका , पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया: चरणजीव मल्होत्रा

नई दिल्ली। प्रमूख समाज सेवी व गऊमाता सेवक, करोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने की साहस



और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना कि भारतीय विमानन जगत से जु?ी एक साहसिक घटना ने देश और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। फ्लाईटुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर ने उ?न के दौरान सह-पायलट के कथित हमले के बीच जिस साहस, धैर्य और सृज्जबुद्ध का परिचय दिया, उसकी विभिन्न स्तरों पर सराहना की जा रही है। विमान में पैदा हुई इस गंभीर स्थिति ने यात्रियों की सुरक्षा को खतरें में डाल दिया था, लेकिन कैप्टन स्मित की कार्रवाई, यात्रियों के सहयोग और विमान में मौजूद अन्य प्रशिक्षित पायलटों की मदद से विमान को सुरक्षित उतार लिया गया। समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने कैप्टन स्मित मच्छर के साहस की सराहना करते हुए कहा

प्राथमिकता देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कैप्टन स्मित ने गंभीर संकट के दौरान जिस प्रकार संघर्ष किया, वह कर्तव्य के प्रति समर्पण और साहस का प्रेरक उदाहरण है। चरणजीव मल्होत्रा के अनुसार, किसी भी विमान में सबसे यात्रियों की सुरक्षा पायलट और चालक दल की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में शामिल होती है। जब अचानक कोई अप्रत्याशित संकट सामने आता है, तब प्रशिक्षण, अनुभव और निर्णय लेने की क्षमता की वास्तविक परीक्षा होती है। ऐसे समय में एक छोटी-सी चूक भी गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना में यात्रियों और अतिरिक्त पायलटों की भूमिका को भी समझना आवश्यक है। संकट के दौरान सामूहिक

परिस्थितियों से निपटने की तैयारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी घटना के बाद तथ्यों की निष्पक्ष जांच करना और उससे मिले सबक को सुरक्षा व्यवस्था में शामिल करना भविष्य में यात्रियों की रक्षा के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। कैप्टन स्मित मच्छर की घटना साहस, जिम्मेदारी और सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित करती है। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उनका संघर्ष, यात्रियों का सहयोग और अन्य प्रशिक्षित पायलटों की भूमिका विमान को सुरक्षित उतारने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रही। देशवासियों के लिए यह घटना एक ऐसे पायलट के साहस की कहानी है, जिसने कठिन परिस्थिति में अपना कर्तव्य निभाने का प्रयास किया। देश- विदेश में प्रशंसा का विषय बना हुआ है।

न्यूज़ बॉक्स

ख़ूनी संघर्ष:ख़ाना देने को लेकर पति-पत्नी के विवाद में कूदा बेटा, नाबालिग ने पिता को बेरहमी से उतार मौत के घाट

कैथल. (एजेंसी)

कैथल. गांव भाणा स्थित एक ईंट भट्टे पर खाना देने को लेकर पति-पत्नी में हुए विवाद के दौरान करीब 16 वर्षीय नाबालिग बेटे ने अपने पिता पर कस्सी से हमला कर दिया। आरोप है कि मां से मारपीट करने का विरोध जताते हुए बेटे ने पिता की गर्दन पर से मृतक लक्ष्मी प्रसाद कस्सी चार-पांच वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से पिता की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पूंडरी पुलिस को दी शिकायत में मृतक की पत्नी खीर बाई निवासी छत्तीसगढ़ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने पति लक्ष्मी प्रसाद (55) और करीब 16 वर्षीय बेटे के साथ लगभग



दो सप्ताह पहले गांव भाणा स्थित ईंट भट्टे पर मजदूरी करने आई थी। वीरवार रात करीब साढ़े आठ बजे वह पति को खाना देने गई थी। इस दौरान दोनों में कहासुनी हो गई।

शिकायत के अनुसार विवाद बढ़ने पर नाबालिग ने कई बार अपने पिता को रोकने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद उसने झुग्गी में रखी कस्सी उठाई और पिता को गर्दन व सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से लक्ष्मी की मौके पर ही मौत हो गई।

डीएसपी सुशील प्रकाश ने बताया कि कंट्रोल रूम से वीरवार रात करीब साढ़े नौ बजे घटना की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को गांव भाणा स्थित सरस्वती भट्टे पर लक्ष्मी प्रसाद मृत अवस्था में मिला। उसकी गर्दन पर कस्सी के चार-पांच वार किए गए थे। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। घटनास्थल का निरीक्षण करने और मृतक की पत्नी से पूछताछ के बाद उसकी शिकायत के आधार पर आगामी कार्रवाई की। थाना पूंडरी में आरोपी बेटे के खिलाफ बीएनएस की धारा 103 (1) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

हरियाणा में नशा तरकरों की अवैध कमाई से बनाई संपत्तियां होगी ध्वस्त, DGP ने अधिकारियों को दिए सख्त आदेश

हरियाणा. (एजेंसी)

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (छत्क) अजय सिंघल ने शुक्रवार को अधिकारियों को मादक पदार्थ तस्करो की अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों की पहचान करने और कानून के तहत ऐसी संपत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कानूनी रूप से उचित मामलों में ऐसी संपत्तियों को ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू करने को भी कहा।

सिंघल ने जोर देकर कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए केवल आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके पूरे नेटवर्क और वित्तीय स्रोतों पर भी कार्रवाई करना जरूरी है। उन्होंने पंचकूला स्थित पुलिस मुख्यालय में एक उच्चस्तरीय समीक्षा



बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने और हरियाणा को नशा-मुक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की विस्तृत समीक्षा की गई।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में राज्यभर में मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को खत्म करने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। सिंघल ने बताया कि मादक पदार्थों के खतरे को खत्म करना हरियाणा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और सभी जिलों को इस उद्देश्य की दिशा में पूरी गंभीरता से काम करना होगा।

Haryana के इस जिले में 40 मीटर नीचे पहुंचा भूजल स्तर, हाई कोर्ट ने कहा- तुरंत उठाएं ठोस कदम

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने गुरुग्राम में लगातार गिरते भूजल स्तर पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट को बताया गया कि शहर के कई इलाकों में भूजल स्तर करीब 40 मीटर नीचे पहुंच गया है। केंद्रीय भूजल

चंडीगढ़. (एजेंसी)

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने गुरुग्राम में लगातार गिरते भूजल स्तर पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट को बताया गया कि शहर के कई इलाकों में भूजल स्तर करीब 40 मीटर नीचे पहुंच गया है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार, गुरुग्राम में उपलब्ध भूजल से दोगुना पानी हर साल निकाला जा रहा है।

हाई कोर्ट ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन वर्तमान पीढ़ी के ट्रस्टी हैं मालिक नहीं। इन संसाधनों को आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना हमारी दोहन भविष्य की पीढ़ियों के लिए विनाशकारी परिणाम ला सकता है। कोर्ट ने संबंधित विभागों को तत्काल प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोसी मोणा को पांच अक्टूबर को सुबह 11 बजे बैठक बुलाने



का निर्देश दिया है। बैठक में गुरुग्राम के उपायुक्त, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रशासक, नगर निगम आयुक्त, हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण और

हरियाणा तालाब प्राधिकरण के प्रतिनिधि शामिल होंगे। केंद्रीय भूजल प्राधिकरण और केंद्रीय भूजल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में भाग लेंगे।

जॉब सिक्योरिटी का झुनझुना नहीं, नौकरी पक्की चाहिए, गेस्ट टीचरों ने सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

गेस्ट टीचरों को पक्का करने की मांग अब तेज होने लगी है। गुड़गांव में राजकीय अनुबंधित अध्यापक संघ और हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने एक दिन का सत्याग्रह आंदोलन कर सरकार को चेतावनी दी है।

गुड़गांव. (एजेंसी)

गेस्ट टीचरों को पक्का करने की मांग अब तेज होने लगी है। गुड़गांव में राजकीय अनुबंधित अध्यापक संघ और हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने एक दिन का सत्याग्रह आंदोलन कर सरकार को चेतावनी दी है। दोनों ही यूनियन के पदाधिकारियों का कहना है कि उन्हें जॉब सिक्योरिटी का झुनझुना नहीं चाहिए बल्कि गेस्ट टीचरों को पक्का करने का पत्र चाहिए। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के प्रदेश सचिव सत्यनारायण यादव का कहना है कि जब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी तब भाजपा विपक्ष की भूमिका में थी।

उस वक भाजपा के पदाधिकारियों ने गेस्ट टीचरों को पक्का करने की पॉलिसी को भाजपा के सत्ता में आते ही पहली कलम से लागू करने का आश्वासन दिया था, लेकिन जब



केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो गेस्ट टीचरों की पॉलिसी को दरकिनार कर दिया गया। ऐसे में गेस्ट टीचरों को कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। अब कोर्ट के आदेश के बावजूद भी सरकार गेस्ट टीचरों को पक्का न करने के बहाने बना रही है। इसी को लेकर गेस्ट टीचर सत्याग्रह कर रहे हैं। राजकीय अनुबंधित अध्यापक संघ के जिला प्रधान, सुनील कुमार ने बताया कि तीन साल नौकरी करने वाले गेस्ट टीचरों को पक्का करने की

पॉलिसी को कोर्ट ने वैध करार दिया है जबकि भाजपा सरकार 10 साल नौकरी करने वाले गेस्ट टीचरों को पक्का करने की पॉलिसी पर काम कर रही है जोकि पूरी तरह से अमान्य है। कोर्ट के आदेश के बावजूद भी सरकार उनकी मांग को नहीं मान रही है जिसके कारण अध्यापकों में रोष बढ़ता जा रहा है।

फिलहाल अध्यापक संघ के पदाधिकारियों ने साफ कर दिया है कि वह इस बार सरकार के किसी भी झांसे में आने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि गेस्ट टीचरों का एक धरना कुरुक्षेत्र में लगातार जारी है और अगर सरकार ने जल्द ही उन्हें पक्का करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया तो पूरे प्रदेश में आंदोलन को तेज कर दिया जाएगा। फिलहाल देखना यह होगा कि मामले में सरकार क्या कदम उठाती है।

दिल्ली में वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे तीन बदमाश, पुलिस को देखते ही फ्लाईओवर से लगा दी छलांग

विदेश में बैठे अपराधियों के इशारे पर गुड़गांव सहित दिल्ली एनसीआर में वारदातों को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को अपराध शाखा फर्सुखनगर ने काबू कर लिया है। जब पुलिस ने आरोपियों को चारों तरफ से घेर लिया तो एक आरोपी पुलिस गिरफ्त से बच के भागने के चक्कर...

गुड़गांव. (एजेंसी)

विदेश में बैठे अपराधियों के इशारे पर गुड़गांव सहित दिल्ली एनसीआर में वारदातों को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को अपराध शाखा फर्सुखनगर ने काबू कर लिया है। जब पुलिस ने आरोपियों को चारों तरफ से घेर लिया तो एक आरोपी पुलिस गिरफ्त से बच के भागने के चक्कर में फ्लाईओवर से कूद गया और घायल हो गया। मौके पर मौजूद पुलिस ने तीनों अपराधियों को काबू कर लिया और घायल हुए अपराधी को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस को विदेशी हथियार भी मिले हैं जिन्हें पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने पत्रकारवार्ता कर बताया कि सूचना के आधार पर अपराध शाखा फर्सुखनगर की टीम गांव गढ़ी पहुंची थी जहां से अभय उर्फ मोलड़ को काबू कर किया गया। उससे पूछताछ करने के बाद आरोपी सागर और



जतिन को काबू करने के लिए कुंडली मानेसर पलवल रोड पर पहुंची जहां से सागर ने पुलिस को देखकर फ्लाईओवर से ही छलांग लगा दी जिसमें वह घायल हो गया। इस पर पुलिस ने



उसे अस्पताल में भर्ती कराया और जतिन को मौके से ही काबू कर लिया।

साक्षी राणा ने निभाया सोने का वादा, एशियाई खेलों में भारत को दिलाया हॉकी का स्वर्ण...जाते समय बहन ने कहा था इस बार सोना लेकर लौटूंगी,

सोनीपत. (एजेंसी)

एशियाई खेलों में सोनीपत की चार बेटियों ने देश का नाम रोशन किया है। ज्योति रुमावत, नेहा गोयल, साक्षी राणा और शिल्पी डबास भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा रहीं और भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाली टीम में शामिल रहीं। इन्हीं में से एक हैं सोनीपत की साक्षी राणा, जिन्होंने जाते वक्त परिवार से कहा था इस बार सोना लेकर लौटूंगी। 11 साल की उम्र में हॉकी स्टिक थामने वाली साक्षी ने जूनियर विश्व कप और जूनियर एशिया कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।अब एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर साक्षी ने परिवार से किया अपना वादा पूरा कर दिया है।

हाथ में हॉकी स्टिक,आंखों में देश के लिए कुछ कर गुजरने का सपना और परिवार से किया एक वादा साक्षी राणा जब एशियाई खेलों के लिए रवाना हुई थीं, तब उन्होंने अपनी बहन से कहा था इस बार सोना लेकर लौटूंगी साक्षी ने मैदान पर अपना पूरा दम लगाया और आखिरकार वह दिन आ गया, जब उनका वादा हकीकत में बदल गया साक्षी के स्वर्ण पदक जीतते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। चचेरे भाई राकेश का कहना है कि भारतीय महिला हॉकी टीम की इस ऐतिहासिक कामयाबी की खुशी को शब्दों में बयान करना आसान नहीं है।परिवार लंबे समय से साक्षी के संघर्ष और मेहनत को देखता आया है और अब उसकी सफलता पूरे परिवार के लिए गर्व का पल है। साक्षी ने महज 11 साल की उम्र में हॉकी का सफर शुरू किया था। छोटी उम्र से ही खेल के प्रति उनका जुनून बढ़ता गया। मेहनत के दम पर उन्होंने जूनियर विश्व कप और जूनियर एशिया कप जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया लगातार बेहतर प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम तक पहुंचाया।

प्रारंभिक जांच के दौरान आरोपियों के कब्जे से दो विदेशी पिस्टल बरामद हुई हैं। जांच के दौरान सामने आया कि यह पिस्टल चाइना की बनी हुई हैं। इसके अलावा टीम ने आरोपियों के कब्जे से 5 कारतूस भी बरामद किए हैं। सेक्टर-10 थाने में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया और अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। एसीपी नवीन शर्मा की मांने तो आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि वह दिल्ली में एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे और यह हथियार उन्होंने इसी वारदात को अंजाम देने के लिए खरीदे थे। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी विदेश में बैठे अपने आकाओं के इशारे पर अवैध वसूली, रंगदारी के लिए रेकी करते थे और लोगों में डर का माहौल पैद करते थे। जांच आरोपी जतिन के खिलाफ दिल्ली में पहले भी केस दर्ज है। फिलहाल मामले की जा रही है

दीपेंद्र और राव नरेंद्र की जोड़ी का BJP पर जोरदार वार, बोले- गेहूं की MSP में 25 की बढ़ोतरी किसानों के साथ भद्दा मजाक

पानीपत. (एजेंसी)

पानीपत में कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ी भीड़ ने कांग्रेस नेताओं में जोश भर दिया। मंच से बीजेपी सरकार पर एक के बाद एक तीखे राजनीतिक हमले हुए। रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने किसानों से लेकर चुनाव तक के मुद्दों पर सरकार को घेरा और सत्ता परिवर्तन का दावा किया। सबसे पहले हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने हरियाणा की बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के इस्तीफे की मांग कर दी। राव नरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि हरियाणा में बीजेपी की सरकार वोट चोरी करके बनी है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल

खड़े किए और कहा कि चुनाव आयोग का मुख्यालय अब बीजेपी के मुख्यालय की तरह बन चुका है। राव नरेंद्र सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर चुनाव में गड़बड़ी करने के आरोप लगाए और कहा कि कांग्रेस अब लोकतंत्र बचाओ अभियान चलाएगी। इसके बाद रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरा। गेहूं की रस्कमें हुई ₹25 की बढ़ोतरी पर सवाल उठाते हुए दीपेंद्र हुड्डा ने इसे किसानों के साथ भद्दा मजाक बताया। उन्होंने कहा कि जब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी तो गेहूं की रस्कमें एक साथ ₹250 की बढ़ोतरी की गई थी और केंद्र की ओर से ₹100 का बोनस दिया गया था।



दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि आज महंगाई लगातार बढ़ रही है, किसानों की लागत बढ़ रही है, लेकिन किसान की आमदनी उसी हिसाब से नहीं बढ़ी। ऐसे में गेहूं की रस्कमें सिर्फ ₹25 की बढ़ोतरी किसानों के साथ भद्दा मजाक है। दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा के खिलाड़ियों का

मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बार-बार अपनी प्रतिभा साबित की है। उनका कहना था कि जब हरियाणा खेलों में इतना आगे है तो बड़े खेल आयोजनों का केंद्र हरियाणा को बनाया जाना चाहिए। वहीं सम्मेलन में उमड़ी भीड़ को देखकर सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी गदगद नजर आए। दीपेंद्र हुड्डा ने आयोजन हरियाणा यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन कुंडू की जमकर तारीफ की।उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि जिस तरह से लोग कांग्रेस के कार्यक्रमों में जुट रहे हैं, उससे साफ है कि जनता का बीजेपी से मोहभंग हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में बीजेपी सरकार जाने वाली है और कांग्रेस की बारी आने वाली है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अमी इंतजार

यूटीआर ने कहा, प्रमुख मुद्दों पर काम जारी

नई दिल्ली ।

मिलवाँकी, अमेरिका- अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने स्पष्ट किया है कि भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से प्रतिश्चित व्यापार समझौता तुरंत होने वाला नहीं है। जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात के बाद ग्रीर ने बताया कि दोनों देशों ने सभी प्रमुख अटक मुद्दों की पहचान कर ली है और अब उनके समाधान पर काम चल रहा है। यह बयान पिछले कुछ महीनों से मिल रहे उन संकेतों के विपरीत है, जिनमें समझौते के लगभग तैयार होने की बात कही जा रही थी। समझौते में मुख्य बाधाएं अमेरिका की तरफ से भारत को मिलने वाली टैरिफ राहत और रूस से भारत की ऊर्जा खरीद का मुद्दा हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद अमेरिका को कोई बेहतर टैरिफ प्रस्ताव देना होगा। वहीं अमेरिकी कांग्रेस ने एक कानून पारित किया है, जो राष्ट्रपति को रूस से ऊर्जा खरीदने के लिए भारत पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जल्द ही बातचीत संभव है। जी20 बैठक में खाद्य पदार्थों को हथियार बनाने, अत्यधिक उत्पादन क्षमता और जबरन मजदूरी जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें से केवल पहले पर ही सहमति बन पाई। यूएसटीआर भारत सहित कई अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ संवर्शन 301 के तहत जांच कर रहा है। पीयूष गोयल ने बैठक में कहा कि भारत की विनिर्माण क्षमता घरेलू मांग और आर्थिक विकास के हिसाब से है, और व्यापार से जुड़े कदम ठोस सबूतों के आधार पर उठाए जाने चाहिए, केवल अनुमानों पर नहीं।

अनूप बागची बने एचडीएफसी बैंक के नए प्रमुख

विश्लेषक जमा वृद्धि, कर्ज विस्तार और मार्जिन सुधार को मानते हैं प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के ऋणदाता एचडीएफसी बैंक में नेतृत्व उत्तराधिकार की स्थिति अब स्पष्ट हो गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आईसीआईसीआई समूह के अनुभवी अधिकारी अनूप बागची को बैंक का नया प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी और सीओ) नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। बागची 2 अक्टूबर से अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए हैं और शशिधर जगदीशन का कार्यकाल समाप्त होने के ठीक बाद 27 अक्टूबर को एमडी और सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। यह नियुक्ति एचडीएफसी बैंक में चल रही नेतृत्व संबंधी अनिश्चितता को समाप्त करती है। हालांकि, अब विश्लेषकों और निवेशकों का ध्यान बैंक के रणनीतिक अमल पर केंद्रित हो गया है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि बागची के नेतृत्व में बैंक के लिए जमा राशि जुटाना, कर्ज में बढ़ोतरी और मार्जिन में सुधार मुख्य प्राथमिकताएं होंगी। इसे रणनीति पुनर्गठन का अवसर भी माना जा रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, निवेशकों का विश्वास और बैंक का पुनर्मूल्यांकन बागची के रणनीतिक कार्यक्रम और विरिष्ठ प्रबंधन, विशेषकर उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा की भूमिका में निरंतरता पर निर्भर करेगा। सिटी जैसे ब्रोकरेज इस नियुक्ति को सकारात्मक देखते हैं, पर उनका कहना है कि बैंक की वास्तविक री-रेंटिंग इसके सफल कार्यान्वयन पर ही टिकी है। शुरुआती महीनों में नए सीईओ के रणनीतिक कार्यक्रमों पर बारीक नजर रखी जाएगी।

नया प्रीमियम फोल्डेबल स्मार्टफोन वीवो एक्स फोल्ड 6 लॉन्च

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में वीवो ने अपना नया प्रीमियम फोल्डेबल स्मार्टफोन वीवो एक्स फोल्ड 6 लॉन्च किया है। फोन में 8.02-इंच की मुख्य फोल्डेबल स्क्रीन और 6.51-इंच का कवर डिस्प्ले है, दोनों 1एचड्येड से 120 एचड्येड तक अडॉप्टिव रिफ्रेश रेट और 5000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस सपोर्ट करते हैं। इस फोन में 200एमपी का ट्रिपल कैमरा सेटअप, डाइमेंसिटी 9500 सुपर एड्रिशन चिप और 6900 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है। यह डिवाइस एंड्रॉइड 17 पर आधारित ओरिजिनओएस 7 फोल्ड पर चलता है। कैमरे की बात करें तो, इसमें 200एमपी का मुख्य कैमरा, 50एमपी ड्राइस एपीओ पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा और 50एमपी अल्ट्रावाइड कैमरा शामिल है। वीवो का इमेजिंग चिप वी3प्लस कैमरा प्रोसेसिंग में मदद करता है और 4के 60एफपीएस डॉलबी विजन वीडियो रिकॉर्डिंग का सपोर्ट भी मिलता है। परफॉर्मेंस के लिए डाइमेंसिटी 9500 सुपर एड्रिशन चिपसेट के साथ 16जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 1 टीबी तक यूएफएस 4.1 स्टोरेज का विकल्प मिलता है। बड़ी फोल्डेबल स्क्रीन मल्टीटास्किंग के लिए ऑप्टिमाइज्ड है।

मोंटाना गवर्नर का भारत-श्रीलंका दौरा,व्यापार और शिक्षा के नए अवसर तलाशेगा अमेरिका

30 से अधिक सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल कृषि, शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में मजबूत करेगा संबंध

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राज्य मोंटाना के गवर्नर ग्रेग जियानफोर्टे सोमवार से भारत और श्रीलंका के एक महत्वपूर्ण दौरे पर होंगे, जिसका लक्ष्य मोंटाना के लिए नए व्यापारिक और शैक्षणिक अवसरों की तलाश करना और मौजूदा संबंधों को मजबूत करना है। यह यात्रा मोंटाना के विश्वस्तरीय उत्पादों को प्रदर्शित करने और अमेरिकी व्यवसायों व विश्वविद्यालयों के लिए नए द्वार

खोलने पर केंद्रित होगी। गवर्नर जियानफोर्टे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि वह 30 से अधिक प्रतिनिधियों के साथ इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इस दौरान, वे मोंटाना के विश्वस्तरीय उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे, पुराने संबंधों को मजबूत करेंगे और मोंटाना के व्यवसायों, विश्वविद्यालयों तथा उत्पादकों के लिए नए रास्ते खोलेंगे। गवर्नर कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार जियानफोर्टे प्रमुख मंत्रियों

के साथ-साथ व्यापार, कृषि, जैव विज्ञान, क्रांटेम, ऊर्जा और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के भागीदारों से मुलाकात करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिसने पिछले साल 6.5 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर्ज की थी और 2030 की शुरुआत तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। यह यात्रा विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में नए आयाम खोल सकती है,



क्योंकि मोंटाना अमेरिका में छोले (काबुली चना) और मसूर का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है, जबकि भारत दलहन फसलों का दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता और आयातक है।

30 से 50 प्रतिशत तक के कर किफायती आवास की आपूर्ति बढ़ाने में मुख्य बाधाएं हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि उद्योग पर्याप्त संख्या में सस्ते मकान उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने सरकार से किफायती आवास की वर्तमान परिभाषा, जिसमें 45 लाख रुपये की अधिकतम मूल्य सीमा है, को बदलने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि किफायती मकानों के लिए केवल क्षेत्रफल की सीमा होनी चाहिए- महानगरों में 60 वर्ग मीटर और गैर-महानगरों में 90 वर्ग मीटर।

उन्होंने सरकारी से किफायती आवास की वर्तमान परिभाषा,

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर रहा बिकवाली का दबाव

संसेक्स 1,124.02 अंक गिरकर 72,771.72 पर बंद हुआ, जो छह महीने का निचला स्तर था। एनएसई निफ्टी भी 360.25 अंक टूटकर 22,780.25 पर आ गया, यह भी लगभग छह महीने का निचला स्तर था। लगातार बिकवाली और अस्थिरता मंगलवार को भी बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा, जहां संसेक्स 242.65 अंक गिरकर 72,529.07 पर और निफ्टी 64.05 अंक फिसलकर 22,716.20 पर बंद हुआ। तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में आपूर्ति की बाधाओं से जुड़ी चिंताओं ने बाजार पर दबाव

बनाए रखा। सूचना प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सबसे अधिक बिकवाली देखी गई। बुधवार को बाजार में थोड़ी अस्थिरता दिखी और शुरुआती तेजी के बाद बिकवाली की धारणा फिर लौट आया। अंततः संसेक्स 48.78 अंक गिरकर 72,480.29 पर और निफ्टी 95.75 अंक की गिरावट के साथ 22,620.45 पर बंद हुए।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने सुधार की उम्मीदों को कमजोर किया। गुरुवार को भी बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। शुरुआती कारोबार से ही

दबाव महसूस किया गया और दिन के अंत में बीएसई संसेक्स 570.59 अंक टूटकर 71,909.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 198.50 अंक की गिरावट के साथ 22,421.95 पर आ गया। रुपया भी डॉलर के मुकाबले 3 पैसे कमजोर होकर 95.97 पर बंद हुआ। इस प्रकार, भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और लगातार विदेशी पूंजी की निकासी ने पूरे सप्ताह निवेशकों की धारणा को नकारात्मक बनाए रखा, जिससे भारतीय शेयर बाजार में भारी नुकसान दर्ज किया गया।

एफपीआई ने सितंबर में शेयर बाजार से निकाले 35,860 करोड़

अक्टूबर में भी जारी रही बिकवाली, कच्चा तेल और अमेरिकी बॉन्ड वील्ड मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का मोहभंग जारी है। लगातार दो महीने की खरीदारी के बाद सितंबर में एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 35,860 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की। अक्टूबर की शुरुआत में भी यह बिकवाली जारी रही, जिससे बाजार पर दबाव बढ़ा है। यह पूंजी निकासी मुख्य रूप से वैश्विक कारकों जैसे कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड पर उच्च प्रतिफल के कारण हो रही है। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, 1 अक्टूबर को भी

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 9,232 करोड़ रुपये और निकाले। इससे पहले, एफपीआई ने जुलाई में 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,630 करोड़ रुपये का निवेश किया था। ताजा बिकवाली के साथ, एफपीआई इस साल अब तक भारतीय शेयरों से करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं, जो पूरे पिछले साल की 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से काफी अधिक है। बाजार के जानकारों ने बताया कि यह वैश्विक पूंजी आवंटन का माहल है, न कि घरेलू कर्पणियों की कमाई का। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, रुपए की विनिमय दर में गिरावट, अमेरिकी बॉन्ड पर पाच प्रतिशत के करीब उच्च प्रतिफल और लाभवस्ली जैसे



बाहरी कारक इस बिकवाली के प्रमुख कारण हैं। हालांकि, घरेलू एसआईपी के जरिए लगातार आ रहा निवेश विदेशी बिकवाली के असर को कम करने में मदद कर रहा है।

लघु एवं मझोले उद्यम (एसएमई) और छोटे शेयरों वाले पारच प्रतिशत के करीब उच्च खंड एफपीआई बिकवाली से कम

प्रभावित हुए हैं। विश्लेषकों के अनुसार, ईरान-अमेरिका संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों पर उसका असर आगे एफपीआई निवेश की दिशा तय करेगा, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन और कंपनियों की कमाई में वृद्धि की उम्मीदें सकारात्मक बनी हुई हैं।

नौकरी बाजार में अनुभव और एआई कौशल की मांग बड़ी

कंपनियां अब विशिष्ट कौशल और अनुभवी पेशेवरों को दे रही प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए बाजार का रुख अब बदल गया है। कंपनियां अब सिर्फ संख्या बढ़ाने के बजाय खास कौशल और अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता दे रही हैं। सितंबर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व मशीन लर्निंग (एमएल) से जुड़ी नौकरियों में 20 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई, जबकि कुल व्हाइट-कॉलर नौकरियों में मामूली बदलाव आया। नौकरी डॉट कॉम की जाँच स्पीक रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में कुल भर्ती सूचकांक 2 फीसदी बढ़कर 3,053 हुआ, जो बाजार में सतर्कता दर्शाता है। विशेषकर एआई/एमएल क्षेत्र में अनुभव का महत्व बढ़ा है; 13-16 साल के अनुभवी पेशेवरों की मांग में 54 फीसदी और 8-12 साल वालों की मांग में 28 फीसदी की वृद्धि हुई है। कंपनियां अब एआई-आधारित नए कामों में पुराने कर्मचारियों के अनुभव का लाभ उठा रही हैं। हालांकि, फ्रेशर्स की भर्ती में 19 फीसदी का इजाफा देखा गया, पर 4-7 साल के अनुभव वालों की भर्ती 2 फीसदी घट गई।

लार्जकैप फंडों से निराशा, स्मॉल-मिडकैप ने दिया दोगुना रिटर्न

एफपीआई बिकवाली, ऊंचे मूल्यांकन से लार्जकैप दबाव में

नई दिल्ली ।

पिछले पांच सालों में लार्जकैप म्युचुअल फंडों का औसत सालाना रिटर्न मात्र 7.1 फीसदी रहा है, जो बैंकों की फिक्स्ड डिपॉजिट के करीब है। वहीं, इसी अवधि में स्मॉलकैप फंडों ने 14.6

फीसदी और मिडकैप फंडों ने 13.3 फीसदी का शानदार रिटर्न देकर निवेशकों को दोगुना से भी ज्यादा फायदा पहुंचाया है। लार्जकैप फंडों के इस निराशाजनक प्रदर्शन को मुख्य वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली रही है। ऊंचे मूल्यांकन, कमजोर आय वृद्धि और दूसरे बाजारों में बेहतर अवसरों ने उन्हें भारतीय लार्जकैप शेयरों से दूर किया। हालिया गिरावट ने बाजार में 25 साल की सबसे लंबी बिकवाली का दौर दिखाया, जिस पर अमेरिकी बॉन्ड वील्ड में बढ़ोतरी, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और रुपये की कमजोरी ने भी असर डाला। इसके परिणामस्वरूप सक्रिय इक्विटी म्युचुअल फंडों में आने

वाला ज्यादातर पैसा अब मिडकैप और स्मॉलकैप फंडों में जा रहा है। अगस्त में स्मॉलकैप फंडों में लगभग 8,000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश आया, जबकि जुलाई और अगस्त में लार्जकैप फंडों से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी हुई। विशेषज्ञ मानते हैं कि खुदरा निवेशक त्वरित रिटर्न की चाहत में स्मॉल-मिडकैप की ओर मुड़ रहे हैं, जबकि एफपीआई की लार्जकैप शेयरों के प्रति बेरुखी भारत की व्यापक आर्थिक जोखिमों से जुड़ी है। ब्रोकरेज फर्मों को उम्मीद है कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं समाप्त होने पर लार्जकैप शेयरों में वापसी होगी, अन्यथा छोटे और मझोले फंडों के प्रति मौजूदा उत्साह भी निराशा में बदल सकता है।

पशु बचेंगे तो बचेगा प्रकृति का संतुलन और मानव का भविष्य

विश्व पशु कल्याण दिवस



योगेश कुमार गोयल

पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं।

जिनकी जुवां नहीं, उनकी संवेदनाएं तो समझें... पशुओं के कल्याण मानकों में सुधार को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 अक्तूबर को 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मनाया जाता है। विश्व पशु दिवस पहली बार बर्लिन में 24 मार्च 1925 को पशु कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया गया था। पशुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए इटली के फ्लोरेंस में 1931 में आयोजित पारिस्थितिकीविदों के एक सम्मेलन में विश्व पशु दिवस की शुरुआत की गई और तब असीसी के सेंट फ्रांसिस के पर्व के कारण यह दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष 4 अक्तूबर को ही चुना गया। 2003 में पहली विश्व पशु दिवस वेबसाइट यूके स्थित पशु कल्याण चैरिटी 'नेचर वॉच फाउंडेशन' द्वारा लांच की गई थी। इस दिन पशु अधिकारों को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों का समर्थन कर-के जानवरों के प्रति प्यार, देखभाल, स्नेह और सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है। पशुओं के अधिकारों के लिए यह एक ऐसी वैश्विक पहल है, जिसका प्रमुख उद्देश्य पशु कल्याण के लिए बेहतर मानक सुनिश्चित करना है। पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जानवर प्रकृति की पारिस्थितिकी को संतुलित रखते हुए हमारे पर्यावरण की रक्षा करने और मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मनुष्य और पशु न केवल एक-दूसरे पर निर्भर हैं बल्कि एक-दूसरे के पूरक भी हैं। सही मायनों में दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली का प्रतीक है और यदि जंगल से किसी एक जीव की प्रजाति भी लुप्त होती है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण पर पड़ता है। विश्व पशु दिवस विश्वभर में कल्याण मानकों के मिशन के साथ जानवरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक ऐसा सामाजिक आन्दोलन है, जो प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के



साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 'विश्व पशु कल्याण दिवस' की थीम है 'उनकी नजरों से दुनिया को देखें'। भारत में करीब 70 फीसद आबादी कृषि तथा कृषि संबंधी व्यवसायों पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही पशुपालन और कृषि व्यवसायों का आपस में गहरा संबंध रहा है। गरीबी से त्रस्त परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्राएं हैं, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि यह उनके लिए ऐसी सम्पत्ति है, जिसे संकट के समय बेचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को 'पशुधन' कहा जाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भी पशुधन की बड़ी भागीदारी रही है। मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में

विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें स्वभाविक संवेदनशीलता, प्यार, सहयोग और उन्नति का अनुभव होता है। बहुत से पशु-पक्षी तो ऐसे हैं, जो यदि धरती पर नहीं हों तो पृथ्वी पर मनुष्य का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। अनेक मामलों में देखा जाता है कि मानवीय स्वार्थ के लिए कई जानवरों की निर्मम हत्या कर दी जाती है। दरअसल इन पशुओं के विभिन्न अंग तथा उनके मल-मूत्र इत्यादि दवाईयां बनाने से लेकर खेतीबाड़ी तक में काम आते हैं और इनके कंकाल उर्वरक का काम करते हैं। हाथियों को हाथी दांत और गैंडे को उसके सींगों के लिए बेददी से मौत के घाट उतार दिया जाता है जबकि उनकी प्राकृतिक मौत होने पर ये चीजें वैसे ही मिल जानी होती हैं। हाथी और गैंडे कीचड़ में रहकर दूसरे जानवरों के पीने के

लिए किनारे पर पानी का इंतजाम करते हैं और सुखा नहीं पड़ने देते। हाथी जमीन को उपजाऊ बना सकता है जबकि गैंडा कीचड़ में रहकर मिट्टी की अदला-बदली का काम करता है और प्रतिदिन करीब पचास किलो वनस्पति की खुराक होने से जंगल में कूड़ा-कर्कट नहीं होने देता। उसके शरीर पर फसल के लिए हानिकारक कीड़े जमा हो जाते हैं, जो पक्षियों का भोजन बनते हैं। इस प्रकार गैंडे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। वैसे तो सभी पशु-पक्षी मनुष्य के सहायक होते हैं लेकिन उनके व्यवहार को समझे बगैर यदि उनके रहने की जगहों को उजाड़ने के प्रयास किए जाते हैं तो वे हिसक होकर विनाश कर सकते हैं। तुर्की के विख्यात नाटककार, उपन्यासकार और विचारक मेहमत मूरत इल्डन का कहना था कि दुनिया में वन्यजीवों की रक्षा केवल दयालु दिलों के प्यार से ही की जा सकती है। वाइल्ड हार्ट वाइल्ड लाइफ फाउंडेशन के संस्थापक पॉल ऑक्सटन कहते थे कि जब तक आपके भीतर प्रकृति के बीच रह रहे जंगली जीवों के प्रति ढेर सारा प्यार, दया और लगाव नहीं रहेगा, तब तक आप सच्चा सुख हासिल नहीं कर पाएंगे। मानव जाति को यह समझना होगा कि पशुओं का जीवन किसी भी तरह से हमारे जीवन से कम कीमती नहीं है। 'जैव विविधता के जनक' के नाम से विख्यात आधुनिक काल के डार्विन कहे जाने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व जीवविज्ञानी और पुलिंजर पुरस्कार विजेता ईओ विल्सन के अनुसार पृथ्वी पर प्रत्येक प्रजाति अत्यधिक देखभाल एवं प्रतिभा के साथ बनाई गई रचना और एक उत्कृष्ट कृति है। वन्यजीव फोटोग्राफर, प्रकृतिवादी और 'जॉय ऑफ बीयर्स' सहित कुछ पुस्तकों की लेखिका सिल्विया डोलसन कहती हैं कि हमारी ही तरह जानवर भी प्यार, खुशी, डर और दर्द महसूस करते हैं लेकिन वे बोले गए शब्द को समझ नहीं पाते, अतः यह हमारा दायित्व है कि हम उनकी ओर से बोलें और सुनिश्चित करें कि उनकी भलाई और जीवन का सम्मान एवं सुरक्षा हो। इसके लिए प्रकृति और पशुओं के साथ अपने संबंधों में मनुष्य को सभ्य बनाना आवश्यक है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एसआईआर और पढ़ाई

देश भर में वोटर लिस्टों में संशोधन के उद्देश्य से चलाये जा रहे स्पेशल इंटीसिव रिविजन यानी एसआईआर आज प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से कड़ी जांच के दायरे में हैं। करोड़ों नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने के आरोप भी लगे हैं। राजनीतिक प्रतिरोध मुखर होने के बाद अब भारत के चुनाव आयोग ने राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे उन इलाकों में छूट गए और नये वोटरों को शामिल करने के लिये विशेष अभियान चलाएं, जहां लिस्ट में सुधार का काम पूरा हो चुका है। निस्संदेह, स्पेशल इंटीसिव रिविजन का दायरा बहुत बड़ा है। देश में आजकल इसका तीसरा चरण चल रहा है। जिसके चलते छात्रों की पढ़ाई में आ रहे व्यवधान से समस्या जटिल हो गई है। देश में बड़ी संख्या में बूथ अध्यक्ष यांनी बीएलओ सरकारी स्कूलों के शिक्षक हैं। जिनके एसआईआर में लगे होने के कारण छात्रों की पढ़ाई पर खासा प्रतिकूल असर पड़ रहा है। मसलन, कर्नाटक में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्र मिड-टर्म परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वजह स्पष्ट है कि उनके शिक्षक पिछले तीन महीनों से स्पेशल इंटीसिव रिविजन के कार्य में ड्यूटी कर रहे हैं। जिसके चलते नियमित कक्षाएं नहीं चल पायी हैं। इसी तरह महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से भी ऐसी ही व्यवधान की खबरें आ रही हैं। दरअसल, शिक्षक अपना काफी समय वोटर वरिफिकेशन, मीटिंग और ऑफिस जुटाने में लगा रहे हैं। बताते हैं कि मुंबई के एक स्कूल के 34 में से 24 शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं। ऐसे में अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि छात्रों की पढ़ाई किस हद तक प्रभावित हो रही होगी। इसमें दो राय नहीं है कि पारदर्शी लोकतंत्र के लिये वोटर लिस्ट में सुधार करना निश्चित रूप से जरूरी है। मकसद यही है कि कोई योग्य वोटर न छूट जाए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश के सरकारी स्कूल पहले से ही अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता और पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में छात्रों के दाखिले प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि देश में करीब एक लाख स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। वहां छात्रों की पढ़ाई का स्तर क्या होगा, इस बात का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे वातावरण में सवाल यह है कि आने वाले दिनों में छात्रों की पढ़ाई को प्रभावित किए बिना एसआईआर का कार्य किया जा सकता है? निस्संदेह, स्पेशल इंटीसिव रिविजन का कार्य अपने आप में लोकतंत्र में पारदर्शिता के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण कार्य है। लेकिन वहीं दूसरी ओर एक तथ्य सर्वविदित भी है कि 'शिक्षा के अधिकार अधिनियम' की धारा 27 शिक्षकों को पढ़ाई-लिखाई के अलावा अन्य कामों में लगाने से रोकती है।

चिंतन-मनन

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उक्त रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा। संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गोलि मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निरदोष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर , अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुठित कर डालते हो। अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामर्थ्य को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशंकाएं तर्गें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।



सौरभ वर्णाय

क्या अखिलेश की राजनीति में मुलायम वाला बदलाव लौट रहा है? समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए धनराज परिमल नाथवानी को उम्मीदवार बनाकर पूरे देश में एक नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। सपा पार्टी ने वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव के साथ नाथवानी का नाम घोषित किया। रामगोपाल यादव सपा के पुराने और स्थापित राजनीतिक चेहरे हैं, जबकि धनराज नाथवानी की पहचान मुख्यतः व्यावसायिक घराने से जुड़ी रही है। यही अंतर इस फैसले को अलग बनाता है। वहीं राजनीतिक इसे योगी के लिए भी कुछ संकेत बता रहे हैं। ज्ञात रहे कि धनराज नाथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़े हैं और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। उनका सार्वजनिक इमजिन पारंपरिक समाजवादी राजनीति से अलग रहा है। इससे भी अधिक दिलचस्प तथ्य यह है कि उनके पिता परिमल नाथवानी स्वयं राज्यसभा के सदस्य हैं और जून 2026 में झारखंड से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के समर्थन वाले निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में फिर राज्यसभा पहुंचें हैं। पिता एक छेमे के समर्थन से राज्यसभा में हों और पुत्र सपा के उम्मीदवार



नीरज कुमार दुबे

चार साल से ज्यादा समय से जंग लड़ रहे रूस और यूक्रेन के मोर्चे भले आज भी आमने-सामने हों, लेकिन शांति के सवाल पर दोनों तरफ से निकली आवाज पहली बार एक ही दिशा में जाती दिखाई दी है। और यह दिशा दी है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के प्रस्ताव को युद्ध समाप्त करने के लिए सामने आए चार प्रस्तावों में सबसे व्यापक बताया है। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी खुलकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते रहे हैं और उनके पास दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान के लिए बहुत अच्छे विचार हैं। देखा जाये तो युद्ध के मैदान में एक-दूसरे पर हमला कर रहे मॉस्को और कीव की तरफ से आई इन दिम्पणियों ने भारत की उस कूटनीतिक पहल को अचानक केंद्र में ला दिया है, जो अब तक बंद कमरों की बातचीत से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगी है। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार यूक्रेन की ओर से भारत की पहल को सार्वजनिक रूप से इतनी स्पष्ट मान्यता मिली है। सिबिहा के अनुसार भारत ने पहली बार इस प्रक्रिया में भूमिका निभाने की इच्छा का संकेत दिया है। यूक्रेन ऊर्जा क्षेत्र और काला सागर में युद्धविराम पर विचार करने को तैयार है, बशर्ते ऊर्जा तथा बंदरगाह ढांचे पर हमले भी रुकें। साथ ही कीव ने संपर्क रेखा पर बिना शर्त युद्धविराम के विकल्प को भी खुला बताया है।



उधर, भारत की पहल की व्यापकता का सबसे बड़ा संकेत यही है कि यह केवल गोलाबारी रोकने तक सीमित नहीं दिखती। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, बंदरगाहों, काला सागर में व्यापार और कृषि आपूर्ति जैसे उन क्षेत्रों को जोड़ने की कोशिश है, जिनका सीधा संबंध युद्ध से बाहर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है। वहीं तुर्किये और मिस्र की पहल मुख्यतः काला सागर तथा अनाज निर्यात से जुड़ी बताई गई है, जबकि अमेरिका की पहल ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने पर केंद्रित है। यहीं पुतिन का बयान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी रूस के साथ अच्छे और मित्रतापूर्ण संबंध होने के बावजूद लगातार युद्ध समाप्त करने का प्रश्न उठाते हैं और दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान खोजने में उनकी गहरी रूचि है। पुतिन ने मोदी के शांतिपूर्ण तरीके से और जल्द से जल्द संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों के लिए आभार भी जताए हैं। देखा जाये तो मोदी की यह भूमिका अचानक पैदा नहीं हुई। वर्ष 2022 में ही उन्होंने कहा था कि 'यह युद्ध का युग नहीं है।' जुलाई 2024 में रूस की यात्रा के दौरान

उन्होंने साफ कहा था कि बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं हो सकती और समाधान युद्धभूमि पर नहीं निकलेगा। 31 अगस्त 2026 को बिश्केक में पुतिन से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने 'अनंत युद्ध' से 'युद्ध की समाप्ति' की दिशा में बढ़ने की बात कही थी। यहीं इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सामरिक संदेश छिपा है। रूस से भारत के गहरे संबंध हैं, जबकि यूक्रेन के साथ भी भारत ने संवाद के रास्ते खुले रखे हैं। ऐसे समय में यदि भारत रूस तक अपनी बात पहुंचा सकता है और यूक्रेन भी उसकी पहल को व्यापक प्रस्ताव मानता है, तो नई दिल्ली के पास संवाद के लिए एक ऐसा कूटनीतिक स्थान बनता है जो कई पश्चिमी शक्तियों के लिए उपलब्ध नहीं है। दूसरी ओर, इसी कूटनीतिक हलचल के बीच रूस ने अपनी सैन्य शक्ति का भी जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दो अक्टूबर को पुतिन ने यूराल क्षेत्र में चल रहे सेंटर-2026 सैन्य अभ्यास के अंतिम चरण का निरीक्षण किया। रूस के अनुसार इस अभ्यास में लगभग 47 हजार सैनिक, 11 प्रशिक्षण क्षेत्र और कैस्पियन सागर

राजनीतिक संदेश भी हो सकता है।

योगी के लिए संकेत इसी संदर्भ में समझना होगा। यदि सपा उद्योग और निवेश के मुद्दे पर भाजपा की भाषा को चुनौती देने लगे, तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में विकास की प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। भाजपा को विपक्ष के सामाजिक आधार के साथ उसके आर्थिक विस्तार पर ध्यान देना पड़ेगा। यदि यह रणनीति आगे बढ़ती है तो 2027 में निवेश, रोजगार, उद्योग और विकास विषयक के विचारों में अधिक प्रमुख हो सकते हैं। हालाँकि यह अभी संभावना है, तथ्य नहीं। यह कहना भी जल्दबाजी होगी कि अखिलेश केंद्र सरकार के साथ किसी गुप्त समझौते की राह पर हैं। पारिवारिक संबंध, कारीबारी संपर्क या अलग-अलग दलों का समर्थन अपने आप में समझौते का प्रमाण नहीं होते। किसी निष्कर्ष के लिए प्रत्यक्ष दस्तावेज या विश्वसनीय प्रमाण आवश्यक होंगे। फिलहाल ऐसा प्रमाण उपलब्ध नहीं है। फिर भी नाथवानी की उम्मीदवारी को नजरअंदाज करना कठिन है। यह बदलती राजनीति की ओर इशारा करती है जिसमें दल नए सामाजिक और आर्थिक समूहों तक पहुंच बनाते हैं। अखिलेश के सामने चुनौती इस विस्तार को अपनी मूल पहचान से जोड़ दे की होगी। इसलिए धनराज नाथवानी की उम्मीदवारी को न तो केवल केंद्र से किसी गुप्त डील का परिणाम मानना चाहिए और न ही इसे साधारण टिकट वितरण समझकर छोड़ देना चाहिए। यह अखिलेश यादव की राजनीति में संभावित विस्तार का संकेत है। मुलायम की तरह व्यापक संवाद की दिशा में यह कदम है या नहीं, समय बताएगा। लेकिन सपा सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक विकास, उद्योग और राष्ट्रीय संपर्कों की भाषा को भी अपने राजनीतिक प्रयोग में शामिल कर रही है। यही बदलाव 2027 की राजनीति में इस फैसले को महत्वपूर्ण बना सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

4 साल में पहली बार एक सुर में बोले रूस और यूक्रेन, दोनों को पसंद आया मोदी का प्रस्ताव

शामिल रहे। अंतिम चरण में करीब छह हजार सैनिक उदरे। चीन, बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, मंगोलिया और पाकिस्तान सहित कई देशों की सेनाएं इसमें शामिल रहीं तथा 55 देशों के प्रतिनिधियों ने अभ्यास देखा। इस अभ्यास में रूस ने करीब 700 सैन्य उपकरणों, 600 से अधिक मानवरहित विमानों और 60 से अधिक रोबोटिक प्रणालियों का इस्तेमाल दिखाया। पुतिन ने नए जेट-चालित जेरान मानवरहित विमानों का भी निरीक्षण किया, जिनका इस्तेमाल रूस यूक्रेन युद्ध में कर चुका है। इसका अर्थ साफ है कि मास्को युद्ध से मिले अनुभव को अगली पीढ़ी की युद्ध क्षमता में बदल रहा है। इसलिए तस्वीर बेहद दिलचस्प है। एक तरफ रूस युद्ध के मैदान में अपनी सैन्य क्षमता, मानवरहित युद्ध प्रणाली और दूर तक मार करने वाली तकनीक का प्रदर्शन कर रहा है; दूसरी तरफ उसी रूस के राष्ट्रपति भारत के प्रधानमंत्री के युद्ध समाप्त करने वाले विचारों की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर रहे हैं। यही भारत की कूटनीति की असली परीक्षा और संभावित ताकत दोनों हैं। लेकिन रास्ता आसान नहीं है। यूक्रेन में रूसी हमले जारी हैं, ऊर्जा ढांचा लगातार निशाने पर है और काला सागर में सुरक्षा तथा अनाज आपूर्ति का संकट बना हुआ है। हालांिया रिपोर्टों के अनुसार रूस और यूक्रेन दोनों एक-दूसरे के ऊर्जा तथा ईंधन ढांचे पर हमले कर रहे हैं। ऐसे माहौल में भारत की चुनौती केवल प्रस्ताव देने की नहीं, बल्कि प्रस्ताव को युद्धभूमि से वार्ताकक्ष तक पहुंचाने की है। यदि नई दिल्ली रूस और यूक्रेन दोनों से संवाद कायम रखते हुए ऊर्जा, कृषि, काला सागर और अंततः व्यापक युद्धविराम को एक ही ढांचे में जोड़ पाती है, तो यह केवल एक युद्ध को रोकने की कोशिश नहीं होगी, यह बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती कूटनीतिक भूमिका का बड़ा प्रमाण बन सकता है। फिलहाल इतना जरूर स्पष्ट है कि मोदी की शांति पहल को अब केवल भारतीय दवाा नहीं कहा जा सकता; यूक्रेन ने उसे व्यापक प्रस्ताव बताया है और पुतिन ने स्वयं उसके पीछे मोदी की लगातार कोशिशों को स्वीकार किया है।

संक्षिप्त

समाचार

पाकिस्तान में ट्रम्प के बेटों की कंपनी ड्रोन यूनिट लगाएगी :3 साइट्स चुनीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटों से जुड़ी पॉवरस कंपनी पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन यूनिट लगाने जा रही है। एरिक ट्रम्प और डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर की कंपनी ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ मरी में सीक्रेट मीटिंग की है। पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन के लिए हरीपुर, रावलपिंडी और तक्षशिला में तीन संभावित मिलिट्री साइट्स चुनी गई हैं। यहां आत्मघाती ड्रोन बनाए जाएंगे। 16 सितंबर को मुनीरी और पॉवरस के बीच ड्रोन आयात का एमओयू हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, प्रोडक्शन में पाक आर्मी की इंडस्ट्रियल यूनिट भी शामिल होगी। यूनिट की साइट फाइटल करने के लिए पाकिस्तानी अधिकारी 15 अक्टूबर के बाद अमेरिका जाएंगे। पाकिस्तान फिलहाल चीन और तुर्किये से ड्रोन खरीद रहा है। तुर्किये ने भी पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन का करार किया है। पाकिस्तान को अमेरिका से मिलने वाले कई हथियार आईएसआई से होकर आतंकियों के पास पहुंच जाते हैं। कश्मीर में ऐसे कई केस हैं जब यूएस मेड हथियार आतंकियों के पास मिले हैं। ये ड्रोन हमारी अंदरूनी सुरक्षा को चुनौती होंगे। पहले पाकिस्तान को अमेरिका से ड्रोन आयात करने थे। अब वहीं प्रोडक्शन होगा। वजह- ट्रम्प के बेटों की कंपनी इन्हें पाक के जरिए एशिया और अफ्रीका के उन देशों को भी बेच सकेगी जिन्हें अमेरिका सीधे हथियार नहीं देता है। चीन का पाक में सीपैक के रूप में बढ़ा निवेश है। सीपैक बेहद अहम है, पर इसका फायदा नहीं मिल रहा है। बलूचिस्तान-खैबर में चीन खनन नहीं कर पा रहा है।। ऐसे में मुनीर के कहने पर चीन ने पाक को इस डील की मंजूरी दी।

डोनाल्ड ट्रंप को इस साल भी नहीं मिलेगा शांति का नोबेल?

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप को इस साल भी शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलेगा. इसकी बड़ी वजह अमेरिका का ईरान के साथ युद्ध छेड़ना है. इस युद्ध के कारण लाखों लोग प्रभावित हुए हैं. वहीं नोबेल कमेट्री इस बार ऐसे शख्स को शांति पुरस्कार देने की तैयारी में है, जो ट्रंप का धुर-विरोधी हो. 2025 में वेनेजुएला का मचाडो को शांति का नोबेल दिया गया था. पुरस्कार लेने का बाद मचाडो ने इसे ट्रंप को सौंप दिया, जिसके कारण नोबेल कमेट्री की भद पिटी थी. समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक ट्रंप को इस साल भी शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलेगा. रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से कहा कि नोबेल समिति यह विचार कर रही है कि क्या इस बार इंटरनेशनल कोर्ट ट्रिब्यूनल को यह पुरस्कार दिया जा सकता है? 9 अक्टूबर को नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा प्रस्तावित है. इसके लिए नोबेल समिति के भीतर लगातार मंथन का दौर चल रहा है. विश्लेषकों का मानना है कि इस बार नोबेल शांति पुरस्कार की रेस में डोनाल्ड ट्रंप के अलावा पोप लियो, इंटरनेशनल कोर्ट ट्रिब्यून , फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर यूएन के विशेष प्रतिवेदक और फ्रांसेस्का अल्वनीज सबसे आगे हैं. 2025 में कंबोडिया, इजराइल और पाकिस्तान ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था. 2025 में आखिरी वक्त तक ट्रंप को नोबेल पुरस्कार मिलने की उम्मीद थी, लेकिन यह मचाडो को दे दिया गया।

मेक्सिको के प्रशांत तट के पास तूफान रैचल श्रेणी 3 में पहुंचा, कई राज्यों में नुकसान की आशंका

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, तूफान रैचल मेक्सिको के प्रशांत तट के पास श्रेणी 3 के तूफान में बदल गया है। यह तूफान बाजा कैलिफोर्निया के दक्षिणी छोर से करीब 245 मील यानी 390 किलोमीटर दूर है। रैचल धीरे-धीरे पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है और अगले दिन तक इसके ओर मजबूत होने की संभावना है। इसके बाद साप्ताहांत में इसके कमजोर पड़ने का अनुमान है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने चेतावनी दी है कि रैचल से उठने वाली ऊंची समुद्री लहरें मेक्सिको के तट पर जानलेवा सर्फ और तेज समुद्री धाराएं पैदा कर सकती हैं। अनुमान था कि रैचल मेक्सिको के तट के समानांतर आगे बढ़ेगा और इसके बाद प्रशांत महासागर में पश्चिम दिशा की ओर मुड़ जाएगा। मेक्सिको के अधिकारियों ने कहा कि वे अब भी अलर्ट पर हैं। बाजा कैलिफोर्निया सूर, सिनालोआ और जलिसको राज्यों में बहुत भारी बारिश का अनुमान है। इसके कारण भूस्खलन, नदियों का जलस्तर बढ़ने, नदियों के उफान पर आने और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा है।

अमेरिकी एयरबेस पर सुरक्षा में चूक मामले में ब्रिटिश-ईरानी नागरिक गिरफ्तार, आतंकवादी साजिश का शक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड में अमेरिका द्वारा संचालित एक एयरबेस के पास हुई सुरक्षा घटना की जांच के सिलसिले में ब्रिटिश पुलिस ने ब्रिटेन और ईरान की दोहरी नागरिकता रखने वाले 27 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उस पर आतंकवादी हमले की साजिश रचने के संदेह में कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, व्यक्ति को गुरुवार को लंदन में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद ब्रिटेन की राजधानी में दो ठिकानों की तलाशी ली गई। यह मामला रॉयल एयर फोर्स यानी आरएएफ फेंयरफोर्ड में सप्ताहांत के दौरान हुई सुरक्षा घटना से जुड़ा है। इस एयरबेस का इस्तेमाल अमेरिकी

पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफ: पश्चिमी देशों को चेताया, कहा- रूस पर किया हमला तो करेंगे हर हथियार का इस्तेमाल

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति क्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और विचारों की सराहना की है। पुतिन ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन विश्व नेताओं में से एक हैं, जो हमारे बहुत अच्छे और यहां तक कि मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा व्यक्तिगत रूप से हमारे अच्छे संबंधों के बावजूद लगातार यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने का सवाल उठाते हैं और इसके बारे में पूछते हैं। पुतिन ने कहा, "प्रधानमंत्री की इसमें पूरी रुचि है और उनके पास ऐसे बहुत अच्छे विचार हैं, जिनका उद्देश्य दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान तलाशना है। इस अर्थ में पीएम मोदी निश्चित रूप से तटस्थ रख अपनाते हैं, लेकिन संघर्ष को समाप्त करने में उनकी दिलचस्पी है। मुझे लगता है कि मेरा यह बात सीधे तौर पर कहना मेरा कर्तव्य है। हम पीएम मोदी के विचारों के लिए उनके आभारी हैं। हम शांतिपूर्ण तरीकों से और जल्द से जल्द इस संघर्ष को समाप्त करने की उनकी इच्छा के लिए आभारी हैं।

हमला हुआ तो करेंगे सभी हथियारों का इस्तेमाल : पुतिन : रूसी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है जब मॉस्को और नाटो के बीच तनाव को लेकर बयानबाजी तेज है। पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस यूरोपीय देशों पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है, लेकिन अगर रूसी क्षेत्र पर सीधा हमला होता है तो रूस अपने



पास मौजूद 'सभी हथियारों' के इस्तेमाल के विकल्प पर विचार करेगा। विदेश नीति से जुड़े एक मंच पर पुतिन ने पश्चिमी देशों और यूरोप पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देश आने वाले वर्षों में रूस के साथ युद्ध की तैयारी की बात कर रहे हैं, बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और रूसी जहाजों को जबरन कर रहे हैं।

नाटो की किस हरकत पर भड़का रूस : पुतिन का यह बयान मॉस्को की उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें नाटो को कहा गया था कि अगर सैन्य गठबंधन के किसी सदस्य ने रूस के कालिनिनग्राद क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश की तो रूस उसकी रक्षा के लिए परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से भी पीछे नहीं हटेगा। रूस के कई यूरोपीय दूतावासों ने इस सप्ताह बयान जारी कर कहा कि मॉस्को के पास 'जानकारी' है कि नाटो

कालिनिनग्राद और कालिनिनग्राद क्षेत्र की हवाई और नौसैनिक नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। रूसी पक्ष ने यूरोपीय नेताओं पर 'खतरनाक खेल खेलने' का आरोप लगाया। मॉस्को ने उन दावों को भी बेतुका बताया, जिनमें कहा जा रहा है कि रूस किसी अन्य देश पर हमला कर सकता है या ड्रोन और तोड़फोड़ के जरिये अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियां बढ़ा सकता है।

क्या परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा रूस : गुरुवार को वाल्टाई क्लब के मंच पर पुतिन से पूछा गया कि क्या रूस और नाटो युद्ध के करीब पहुंच गए हैं या दोनों एक-दूसरे को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा, "यह डराने-धमकाने की बात नहीं है, बल्कि हमें डराने की कोशिश का जवाब है। पुतिन ने कहा कि नाटो को दी गई पिछली चेतावनी में 'सब कुछ सही लिखा गया है।' उन्होंने कहा कि अगर रूस के

खिलाफ सीधा हमला होता है, जिसमें कालिनिनग्राद या रूस का कोई अन्य क्षेत्र शामिल हो सकता है, तो देश के पास मौजूद सभी हथियारों के इस्तेमाल का सवाल 'अनिवार्य रूप से और तुरंत' सामने आएगा। हालांकि, पुतिन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि रूस के पास ऐसे हथियार हैं 'जो किसी और के पास नहीं हैं' और हमला होने की स्थिति में यह तय किया जाएगा कि इनमें से किन हथियारों का इस्तेमाल किया जाए।

भारत के साथ आर्थिक गलियारों पर भी पुतिन का बयान : पुतिन ने भारत के साथ परिवहन और आर्थिक सहयोग की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रूस ने एक चीनी कंटेनर जहाज और दक्षिण कोरियाई जहाज के साथ पायलट परियोजना की है और भारतीय मित्रों के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि रूस इन संभावनाओं वाले अंतरराष्ट्रीय गलियारों के संयुक्त इस्तेमाल के पक्ष में है। पुतिन ने उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारों का भी उल्लेख किया और कहा कि इसका विकास केवल रूस पर निर्भर नहीं है। पुतिन ने कहा कि रूस इस परियोजना के लिए ऋण संसाधन उपलब्ध करने को तैयार है, लेकिन अभी ईरान को अपने हिस्से का काम पूरा करना है। उन्होंने कहा कि गलियारों एक हिस्सा अजरबैजान से होकर जाएगा और इस मुद्दे पर राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ संपर्क है।

कतर के दोहा में एआईआईबी का 11वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित, वैश्विक निवेश और विकास पर हुई चर्चा

दोहा, एजेंसी। एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी) का 11वां वार्षिक सम्मेलन कतर की राजधानी दोहा में आयोजित हुआ। यह सम्मेलन AIIB के पहले दशक की सफल विकास यात्रा पूरी होने के बाद आयोजित पहला वार्षिक सम्मेलन है। साथ ही, खाड़ी क्षेत्र में आयोजित होने वाला यह AIIB का पहला ऐतिहासिक वार्षिक सम्मेलन भी बन गया है। इस दो दिवसीय सम्मेलन का मुख्य विषय 'भविष्य के लिए बुनियादी ढांचा: प्रभाव और नवाचार' रखा गया था।सम्मेलन दौरान दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों ने सतत विकास और बहुपक्षीय सहयोग पर विचार-विमर्श किया। वर्ष 2016 में 57 संस्थापक सदस्यों से शुरू हुए इस बैंक के सदस्यों की संख्या अब बढ़कर 111 हो गई है। दोहा सम्मेलन और पहले दशक की



उपलब्धियां कतर की राजधानी दोहा में 28 व 29 सितंबर को आयोजित यह सम्मेलन ऐतिहासिक सिद्ध हुआ। एआईआईबी के दस वर्षों का सफर पूरा होने पर आयोजित इस बैठक में विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई।

सम्मेलन में भाग लेने आए प्रतिनिधियों ने सतत विकास व बहुपक्षीय सहयोग पर बल दिया। 'भविष्य के लिए बुनियादी ढांचा: प्रभाव और नवाचार' विषय के तहत नई तकनीकों पर सहमति मिली। अपने पहले दशक की यात्रा दौरान एआईआईबी ने बुनियादी ढांचे के विकास में बड़ी भूमिका निभाई। वर्ष 2016 में 57

संस्थापक सदस्यों से शुरू इस बैंक के सदस्यों की संख्या अब 111 हो चुकी है। पहले दस वर्षों में बैंक ने 79 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के वित्तपोषण को मंजूरी दी। इस राशि से दुनिया भर में 400 से ज्यादा महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को समर्थन मिला। महाप्रबंधक 'चो च्यायी का दुष्टिकोण और लक्ष्य आने वाले नए दशक के लिए एआईआईबी की महाप्रबंधक 'चो च्यायी ने बैंक की कार्ययोजना पेश की। उन्होंने कहा कि बैंक की अगली यात्रा में प्रभाव, नवाचार और ईमानदारी तीन मुख्य विचार होंगे। इसके तहत वर्ष 2030 तक वार्षिक वित्तपोषण

बढ़ाकर लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंचाया जाएगा। सालाना वित्तपोषण दोगुना होने से सदस्य देशों में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा तैयार होगा। महाप्रबंधक 'चो च्यायी अनुसार यह वित्तीय विस्तार विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को नई मजबूती देगा।पापराई नीतियों व नवाचार पर आधारित दृष्टिकोण से परियोजनाओं का काम तेजी से होगा। वित्तीय संसाधनों के विस्तार से सदस्य देशों की दीर्घकालिक विकास आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। भविष्य की परियोजनाओं में जलवायु लचीलापन, अक्षय ऊर्जा व डिजिटल बदलाव को प्राथमिकता मिलेगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय संपर्क, प्रकृति संरक्षण और जन कल्याण से जुड़ी परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा।' हरित ऊर्जा व डिजिटल तकनीक में निवेश से सदस्य देशों में समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

यूएस: हूती विद्रोहियों को मदद पहुंचाने के आरोप में अमेरिकी इंजीनियर गिरफ्तार, एफबीआई ने कैसे कसा शिकंजा?

वांशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई ने अमेरिकी ऊर्जा विभाग के एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर को ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को कथित तौर पर मदद कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। न्याय विभाग ने गुरुवार को बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर घर में विस्फोटक और ड्रोन बनाने के लिए सामग्री खरीदी तथा यमन की यात्रा भी की थी।

क्या है अमेरिकी इंजीनियर पर आरोप : वांशिंगटन राज्य के रिचलैंड निवासी 51 वर्षीय एस्टन हमीद एलाबूडी को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। उसे शुक्रवार को पहली बार अदालत में पेश किया जाना है। अदालत के रिकॉर्ड में उसके पक्ष में बोलेने के लिए किसी वकील का नाम दर्ज नहीं है। एफबीआई के मुताबिक, एलाबूडी का मकसद हूती विद्रोहियों की संचार क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद करना था। वह पिछले सितंबर में यमन गया था। यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब समर्थित सरकारी बलों के बीच हिंसा हो रही है, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। यमन में संघर्ष की शुरुआत साल 2014 में हुई थी, जब ईरान समर्थित विद्रोहियों ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद देश की सरकार को सऊदी अरब में निर्वासन में शरण लेनी पड़ी थी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका लौटने पर एलाबूडी ने सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा अधिकारियों को बताया कि वह काम के सिलसिले में ओमान से लौट रहा था और अमेरिकी सरकार के एक मिशन का हिस्सा था,



जिसका काम मिसाइल रक्षा प्रणालियों का निरीक्षण करना था। हालांकि, एफबीआई के हलफनामे के अनुसार, जांचकर्ताओं ने एलाबूडी के सुपरवाइजर से पूछाछ की, जिन्होंने कहा कि उन्हें उसकी किसी अंतरराष्ट्रीय यात्रा की जानकारी नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा विभाग में ऐसा कोई मिसाइल निरीक्षण कार्यक्रम उनकी जानकारी में नहीं था, जिसके लिए एलाबूडी को भेजा गया हो। एफबीआई के हलफनामे के मुताबिक, एलाबूडी की बातचीत एफबीआई के मुखबिरों ने रिकॉर्ड की थी। इसमें उसने कथित तौर पर बताया कि उसने यमन में गुप्त रूप से प्रवेश करना और वहां से बाहर निकलना पड़ा था। उसने यह भी कहा था कि वह राजधानी पहुंचकर सरकार के उच्च स्तर पर संपर्क स्थापित करना चाहता था। एफबीआई के अनुसार, हालांकि वह सना पहुंचने में सफल नहीं हो सका, लेकिन उसने एलाबूडी के जांचकर्ताओं ने एलाबूडी के बारे में तब जांच शुरू की, जब उन्हें पता चला कि उसने ऐसे रसायन खरीदे थे इनमें एसोटोन और सोडियम बाइसल्फेट के अलावा ड्रोन बनाने में इस्तेमाल होने वाले पुर्जे भी शामिल थे।

2 शादियां, गृहवलेश और फिर एक दिनज मुरादाबाद में पूर्व पार्षद सद्दाम की फंदे से लटकी मिली लाश

एजेंसी
मुरादाबाद। मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर स्थित मियां कोलोनी में शुक्रवार-शनिवार की देर रात हड़कंप मच गया. दरअसल, वार्ड-69 की वर्तमान कांग्रेस पार्षद रूबी परवीन के पति और पूर्व पार्षद सद्दाम (35) की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकी लाश मिली. देर रात करीब डेढ़ बजे हुई इस घटना से न केवल परिजनों में चीख-पुकार मच गई, बल्कि पूरे शहर और राजनीतिक गलियारों में शोक व सनसनी की लहर दौड़ गई.

घटना के तुरंत बाद परिजन सद्दाम को आनन-फानन में इलाज के लिए पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. सद्दाम की मौत की खबर आग की तरह फैली और देखते ही देखते उनके निवास पर स्थानीय निवासियों का भारी जमावड़ा लग गया. सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री इकराम कुरैशी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जुनैद इकराम सहित कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व जगप्रतिनिधि देर रात ही मौके पर पहुंचे और शोकान्कुल परिवार को ढाँस बंधाया.

2 शादियां और घरेलू कलह: शुरुआती जांच में सामने आई वजह सद्दाम (35) मूल रूप से पड़ोसी जिले अमरोहा के रहने वाले थे और लंबे समय से मुराबाबाद के जयंतीपुर में रह रहे थे. पुलिस सूत्रों और शुरुआती छानबीन के मुताबिक, इस खौफनाक कदम के पीछे पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव मुख्य वजह मानी जा रही है. सद्दाम ने दो शादियां की थीं और



आशंका जताई जा रही है कि दो पवियों व पारिवारिक कलह से तंग आकर उन्होंने आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाया.

राजनीतिक सफर: खुद भी रहे पार्षद, पत्नी को भी दिलाई जीत सद्दाम कांग्रेस संगठन के एक सक्रिय और लोकप्रिय युवा नेता थे. पिछले नगर निगम चुनाव में उन्होंने खुद कांग्रेस के सिबल पर वार्ड-69 से ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी. इस बार वार्ड-69 पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षित हो गया, जिसके बाद उन्होंने अपनी दूसरी पत्नी रूबी परवीन को चुनावी मैदान में उतारा. रूबी परवीन ने चुनाव जीतकर पार्षद पद हासिल किया, जबकि सद्दाम पद के पीछे से क्षेत्र की जनसेवा और राजनीति में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे थे.

पुलिस कार्रवाई और जांच घटना की जानकारी मिलने पर मझोला थाना पुलिस बल मौके पर पहुंचा और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों और समय का सटीक खुलासा हो सकेगा. फिलहाल, पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर रही है और घटना के सभी संभावित पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है.

मैस खोजने निकले थे... खेत में फसल बचाने को बिछाए करंट ने ली 3 लोगों की जान, 2 सूअर भी मरे

सीतामढ़ी के बैरगनिया में फसल बचाने को खेत में बिछाए करंट की चपेट में आए तीन लोग. तीनों की मौत. तीनों भैंस को बचाने के लिए खेत में घुसे थे.

एजेंसी
बिहार। बिहार के सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया प्रखंड से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां शनिवार तड़के खेत में बिछाए गए बिजली के नंगे तार की चपेट में आने से पति-पत्नी समेत तीन ग्रामीणों की दर्दनाक मौत हो गई. जंगली सूअरों से धान की फसल बचाने के लिए खेत के चारों ओर करंट प्रवाहित किया गया था, जो बेकसूर ग्रामीणों के लिए मौत का फंदा बन गया. घटना बैरगनिया थाना क्षेत्र की अक्का पश्चिमी चकवा पंचायत के तकिया टोला (वार्ड नंबर-5) की है.

शनिवार तड़के एक ग्रामीण की भैंस खुदे से खुलकर भाग गई थी. भोर के अंधेरे में ग्रामीण अपनी भैंस को तलाशते हुए खेतों की ओर निकले. भैंस खोजते हुए सबसे पहले मोहम्मद इस्लाम मंसूरी खेत में बिछे नंगे तार की चपेट में आ गए और मौके पर ही गिर पड़े.

काफी देर तक जब इस्लाम घर नहीं लौटे, तो उनकी पत्नी रुबीदा खातून उन्हें ढूंढते हुए खेत पहुंचीं. जमीन पर पड़े पति को देखकर जैसे ही वे उनके पास गईं, वे भी करंट की चपेट में आ गईं और उनकी भी जान चली गई. इसके बाद मौके पर पहुंचे एक अन्य ग्रामीण असमत अली भी इसी जानलेवा तार की चपेट में आ गए और उनकी भी घटनास्थल पर ही मौत हो गई.



2 जंगली सूअर भी मिले मृत, 1 ग्रामीण गंभीर रूप से झुलसा घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीणों ने जब मंजर देखा तो उनके होश उड़ गए. खेत में तीन ग्रामीणों के शवों के साथ-साथ दो जंगली सूअरों के शव भी पड़े मिले. इससे यह साफ हो गया कि फसल सुरक्षा के नाम पर खेत में नंगा तार बिछाकर भारी करंट दौड़ाया गया था.

इस हादसे में सभी को बचाने की कोशिश के दौरान एक अन्य ग्रामीण सैफ अली गंभीर रूप से झुलस गए हैं. उन्हें तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सीतामढ़ी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है.

पुलिस की कार्रवाई और छानबीन घटना की सूचना मिलते ही बैरगनिया थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची. पुलिस ने घटनास्थल की वीडियोग्राफी कराई और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. बैरगनिया थानाध्यक्ष अरविंद गिरी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया- धान की फसल को जंगली सूअरों से बचाने के लिए खेत के चारों तरफ लोहे का नंगा तार बिछाकर उसमें करंट प्रवाहित किया गया था. इसी की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हुई है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और संबंधित किसान से पूछताछ की जा रही है.

गांव में छाया मातम, सख्त कार्रवाई की मांग एक ही टोले से तीन लोगों की मौत के बाद से ही पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है. परिजनों का गे-रोकर बुरा हाल है. ग्रामीणों में खेत में इस तरह गैर-कानूनी और जानलेवा तरीके से बिजली का करंट लगाने वाले किसान के खिलाफ भारी आक्रोश है और वे सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

कौन था संभव जैन? जिसने नोएडा में सुपरनोवा सोसाइटी की 43वीं मंजिल से कूदकर दे दी जान, सामने आई वजह

एजेंसी
नोएडा। नोएडा के सेक्टर-94 स्थित बहुचर्चित ‘सुपरनोवा’ (स्पायरॉ बिल्डिंग) की 43वीं मंजिल से कूदकर युवक ने जान दे दी. युवक की पहचान हो गई है. मृतक का नाम संभव जैन था. वो हरियाणा के गुरुग्राम का रहने वाला था. सुसाइड की वजह भी सामने आई है. अत्यधिक ऊंचाई से गिरने और भारी दबाव के कारण संभव का शरीर बेहद दर्दनाक तरीके से दो टुकड़ों में विभाजित हो गया. इस खौफनाक हादसे के बाद सोसाइटी परिसर में हड़कंप मच गया.

घटना शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 की है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, संभव ने स्पायरॉ बिल्डिंग के कमरे की बालकनी की रेलिंग से लटकते हुए नीचे छलांग

झांसी से पन्ना आए पति-पत्नी, 6 महीने तक पन्ना में खोदी धरतीज एक साथ मिल गए 4 नायाब हीरे

एजेंसी
पन्ना । मध्य प्रदेश का पन्ना एक बार फिर यहां मिलने वाले बेशकीमती हीरों को लेकर चर्चा में है. इस बार झांसी के रहने वाले पति-पत्नी की करीब छह महीने की कड़ी मेहनत रंग लाई है. राजकुमार श्रीवास और उनकी पत्नी गुड्डी देवी को पन्ना के सरकोहा क्षेत्र में हीरा खदान से एक साथ चार हीरे मिले हैं. चारों हीरों का कुल वजन 5.16 कैरेट है. इनकी अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये आंकी जा रही है.

दरअसल, राजकुमार श्रीवास को सोशल मीडिया के माध्यम से पन्ना में हीरा मिलने और लोगों की किस्मत बदलने की कई खबरें देखने को मिली थीं. इन खबरों से प्रेरित होकर उन्होंने पन्ना में हीरा खदान लगाने का फैसला किया. राजकुमार की पत्नी गुड्डी देवी का मायका भी पन्ना में है. इसके बाद दंपति ने सरकोहा क्षेत्र में खदान का पट्टा लेकर हीरे की तलाश शुरू की.

एक साथ मिले चार हीरे करीब छह महीने तक दंपति ने खदान में लगातार मेहनत की. दिन-रात की मेहनत के बाद आखिरकार उनकी किस्मत चमक गई और उन्हें एक साथ चार

लगा दी. ऊंचाई से गिरने का प्रभाव इतना भीषण था कि उसका शव दो हिस्सों में कट गया. शव का ऊपरी हिस्सा टावर के भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर गिरा. जबकि, शव का निचला हिस्सा टावर की तीसरी मंजिल (थर्ड फ्लोर) के एरिया में गिरा. तेज आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे सुरक्षाकर्मियों और निवासियों ने जब यह दृश्य देखा तो उनके होश उड़ गए. घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई.

गुरुग्राम का रहने वाला था संभव जैन सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-126 की पुलिस टीम, वरिष्ठ अधिकारी और एफएसएल (स्वस्) की फॉरेंसिक टीम तत्काल मौके पर पहुंची. पुलिस ने घटनास्थल को सील कर आवश्यक

झांसी से पन्ना आए पति-पत्नी, 6 महीने तक पन्ना में खोदी धरतीज एक साथ मिल गए 4 नायाब हीरे

हीरे मिल गए. इनमें 1.62 कैरेट और 1.29 कैरेट के दो उज्ज्वल किस्म के हीरे शामिल हैं, जबकि 1.44 कैरेट और 0.81 कैरेट के दो हीरे मैला किस्म के बताए गए हैं.

चारों हीरों को नियमानुसार हीरा कार्यालय में जमा कराया गया है. हीरा पारखी अनुपम सिंह के अनुसार, इन चारों हीरों की अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये हो सकती है. हालांकि, हीरों की वास्तविक कीमत आगामी शासकीय नीलामी में तय होगी. नीलामी के बाद प्राप्त राशि में से नियमानुसार रॉयल्टी और अन्य शासकीय शुल्क काटकर शेष राशि दंपति को मिलेगी.

दंपति की बदली किस्मत हीरा मिलने के बाद राजकुमार श्रीवास और उनकी पत्नी बेहद खुश हैं. राजकुमार ने अपनी इस सफलता को माता रानी का आशीर्वाद और छह महीने की अटूट मेहनत का परिणाम बताया. दंपति का कहना है कि हीरों की नीलामी से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल वे अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए करेंगे. इसके साथ ही वे इस राशि से अपने व्यवसाय को भी आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं.

मुंबई: रिश्ततखोरी मामले में CBI का बड़ा एक्शन, CPWD के कार्यकारी अभियंता समेत 5 गिरफ्तार

एजेंसी
मुंबई । केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने रिश्ततखोरी के मामले में मुंबई में बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) के एक कार्यकारी अभियंता (Executive Engineer), उसके रिश्तेदार और मुंबई के एक रियल एस्टेट रूप के तीन अधिकारियों समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि वडाला में निर्माण परियोजना के लिए अनापति प्रमाणपत्र (NOC) जारी करने के बदले एक करोड़ रुपये की रिश्तत मांगी गई थी. बाद में यह सौदा 70 लाख रुपए में तय हुआ.

CBI के मुताबिक, गिरफ्तार कार्यकारी अभियंता की पहचान विक्रांत वर्मा के रूप में हुई है. अन्य आरोपियों में पुणे निवासी और अभियंता का रिश्तेदार सौरव कुमार, बाया रूप ऑफ कंपनीज के वाइस प्रेसिडेंट अरविंद सेमवाल, कंपनी

के मैनेजर चेतन महाजन और बाया रूप के अंतर्गत आने वाली रिनसां (Renaissance) फर्म के पार्टनर अनिल देशमुख शामिल हैं.

50 लाख रुपए की रिश्तत लेते हुए बिछाया जाल

CBI ने 1 अक्टूबर 2026 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी. आरोप था कि CPWD के कार्यकारी अभियंता विक्रांत वर्मा ने मुंबई के वडाला में एक जमीन पर निर्माण परियोजना शुरू करने के लिए NOC जारी करने के बदले एक करोड़ रुपए की रिश्तत मांगी थी. बाद में यह रकम घटाकर 70 लाख रुपए कर दी गई.

CBI के अनुसार, रिश्तत की रकम अभियंता के रिश्तेदार सौरव कुमार के माध्यम से ली जानी थी. इसके बाद (CBI ने 1 अक्टूबर को जाल बिछाया और सौरव कुमार को 50 लाख रुपए की

1.15 करोड़ का बीमा, प्रेग्नेंट बीवी और तीन शूटर... जबलपुर में पति ने करवाई पत्नी की हत्या, सुपारी किलर किए थे हायर

एजेंसी
जबलपुर। जबलपुर के पाटन थाना क्षेत्र में रिश्तों को तार-तार कर देने वाला एक खौफनाक मामला सामने आया है. यहां एक पति ने अपनी तीन महीने की गर्भवती पत्नी की हत्या कराने के लिए तीन कॉन्ट्रैक्ट किलर्स को हायर किया और वारदात को सड़क हादसा दिखाने की नाकाम कोशिश की. हालांकि, पुलिस की सर्विलांस और तकनीकी जांच ने इस पूरे मर्डर मिस्ट्री का पर्दाफाश कर दिया. घटना पाटन थाना क्षेत्र के नुनसर पुलिस चौकी के पास हट्टेपुर रानीताल रोड की है.

4 सितंबर की रात डायल 112 के जरिए पुलिस को सूचना मिली कि सड़क किनारे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है. प्रथम दृष्टया मामला तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई मौत (सड़क दुर्घटना) का लग रहा था. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ, मृतका कविता चौधरी 3 महीने की गर्भवती थी. यानी इस खूनी खेल में माँ के साथ उसके कोख में पल रहे अजन्मे बच्चे की भी जान चली गई.

तकनीकी जांच ने खोला राज, 3 कॉन्ट्रैक्ट किलर गिरफ्तार

हादसे के पैटर्न पर संदेह होने पर पुलिस ने क्राइम और तकनीकी टीमों को जांच में लगाया. घटनास्थल के आसपास सक्रिय मोबाइल नंबरों के डंप डेटा और सर्विलांस की मदद से कुछ संदिग्ध नंबर सामने आए. पुलिस ने जब पाटन क्षेत्र के तीन युवकों को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो हत्या की

पूरी पटकथा सामने आ गई. गिरफ्तार आरोपियों के नाम हैं, विक्रम अहिरवार (31 वर्ष), धनीराम उर्फ करिया (22 वर्ष) और रमजजी चौधरी (21 वर्ष). तीनों आरोपी पाटन के चौधरी मोहल्ला के रहने वाले हैं.

1 महीने पहले ली गई किराए की पिकअप

पुलिस जांच के अनुसार, मृतका का पति प्रयास पांडे (जो पाटन में नोटरी का काम करता है) इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड है. प्रयास ने पत्नी दुकान में काम करने वाले साथी मानसिंह लोधी के साथ मिलकर हत्या



की स्क्रिप्ट तैयार की थी. साजिश को हादसा दिखाने के लिए वारदात से करीब एक महीने पहले आरोपी विक्रम अहिरवार के नाम से एक पिकअप वाहन (लॉडिंग व्हीकल) किराए पर लिया गया, ताकि अचानक वाहन लेने पर पुलिस को शक न हो.

3 सितंबर को प्रयास और मानसिंह ने पाटन कचहरी के पास तीनों शूटरों को बुलाया. प्रयास ने पत्नी की लाल रंग की स्कूटी (MP 20 ्रक 4113) का नंबर और उसकी फोटो मोबाइल में दिखाकर पहचान कराई. 4 सितंबर

साक्ष्य जुटाए. पुलिस द्वारा की गई प्राथमिक जांच और शिनाख्त में मृतक की पहचान संभव जैन (पुत्र विनय कुमार जैन) के रूप में हुई है. संभव जैन मूल रूप से टावर-ए, आईएमटी व्यू सीजीएचएस (जीएच-52), मानेसर सेक्टर-1, आईएमटी मानेसर, गुरुग्राम (हरियाणा) का रहने वाला था.

एक दिन के स्टे पर आया था मृतक, मानसिक तनाव में था पुलिस जांच में सामने आया है कि संभव जैन स्पायरॉ बिल्डिंग (सेक्टर-94, नोएडा) में एक दिन के ठहरने के उद्देश्य से अकेले आया हुआ था. घटना के समय आसपास मौजूद

लोगों से पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि मृतक पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में चल रहा था. इसी

मुंबई से केदारनाथ आए तीर्थयात्रियों से मारपीट... चलाए लाठी-डंडे, 3 खच्पर चालकों पर केस दर्ज

एजेंसी
रुद्रप्रयाग। विश्वप्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम यात्रा के पैदल मार्ग से श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ा करने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है. जंगलचट्टी क्षेत्र में महाराष्ट्र के मुंबई से आए तीर्थयात्रियों के साथ खच्पर चालकों द्वारा लाठी-डंडों से जमकर मारपीट की गई. इस हिंसक झड़प का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग श्रद्धालुओं को पीटते और पीड़ित अपनी चोटों पर पड़ी बंधवाते नजर आ रहे हैं.

घटना 1 अक्टूबर की बताई जा रही है. जानकारी के अनुसार, मुंबई से श्री केदारनाथ धाम दर्शन के लिए आए मानजी वाधजी वाविवा और उनके साथी भानजी दामजी पटेल पैदल मार्ग से धाम की ओर बढ़ रहे थे. जंगलचट्टी के पास खच्चरों के संचालन को लेकर उनकी तीन खच्पर

उठा लिया.

पुलिस कार्रवाई और जांच थाना सेक्टर-126 पुलिस ने शव के दोनों हिस्सों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भर और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस अधिकारियों और फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल का बारीक निरीक्षण किया गया है. पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी (छत्रझुड़ू) कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि घटनाक्रम की समय सारणी और परिस्थितियों की सटीक जानकारी मिल सके. मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है तथा पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है.

मुंबई से केदारनाथ आए तीर्थयात्रियों से मारपीट... चलाए लाठी-डंडे, 3 खच्पर चालकों पर केस दर्ज

चालकों से बहस हो गई. देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि खच्पर चालकों ने तीर्थयात्रियों पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया.

वीडियो वायरल होने के बाद बैकफुट पर आए आरोपी

सामने आए वायरल वीडियो में नजदीकी मेडिकल रिलीफ पोस्ट में स्वास्थ्यकर्मी घायलों की मरहम-पट्टी करते दिख रहे हैं, जबकि पीड़ित श्रद्धालु अपनी चोट के निशान दिखा रहे हैं. घटना के बाद आरोपी खच्पर चालक मौके से फरार हो गए.

सोनप्रयाग पुलिस ने दर्ज किया केस

घटना का संज्ञान लेते हुए कोतवाली सोनप्रयाग पुलिस ने त्वरित विधिक कार्रवाई की है. पीड़ितों द्वारा दी गई तहरीर के

आधार पर पुलिस ने तीनों अज्ञात खच्पर चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस टीम वायरल वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से आरोपियों की पहचान जुटाने में लगी हुई है.

IIIT बॉम्बे के प्रोफेसर दूल्हा से 8 घंटे तक पूछताछ, छात्र के माता-पिता के आरोपों का दिया जवाब

रजिस्टर में कोई एंट्री नहीं की गई थी. शेष 20 लाख रुपए का भुगतान एक सप्ताह बाद किया जाना था. छद्म ने रिश्तत के रूप में दिए गए 50 लाख रुपये भी बरामद कर लिए हैं.

छापेमारी में 53.87 लाख रुपए नकद बरामद

पांचों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद CBI ने मुंबई, नवी मुंबई और पुणे में आरोपियों तथा उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की. इस दौरान रिश्तत की रकम के अलावा करीब 53.87 लाख रुपए नकद बरामद किए गए. इसके साथ ही अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण कागजात भी जब्त किए गए हैं. CBI ने बताया कि सभी पांच आरोपियों को शुक्रवार को मुंबई की विशेष (CBI अदालत में पेश किया जा रहा है. मामले में आगे की जांच जारी है.

IIIT बॉम्बे के प्रोफेसर दूल्हा से 8 घंटे तक पूछताछ, छात्र के माता-पिता के आरोपों का दिया जवाब

एजेंसी
बॉम्बे। IIT बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है. साहिल की आत्महत्या के मामले में जांच की जा रही है. इस बीच मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने IIT बॉम्बे के प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्हा से पूछताछ की. बताया जा रहा रहा कि ये पूछताछ करीब 8 घंटे तक चली. इस दौरान टीम ने उनसे तमाम सवालात किए. साहिल के परिवार ने प्रोफेसर दूल्हा पर जातिगत भेदभाव का आरोप लगाया है और उनकी गिरफ्तारी की मांग की है.

22 साल के साहिल वाकोडे ने पिछले महीने 18 सितंबर को IIT बॉम्बे के पवई कैंपस स्थित हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली थी. उसका शव कमरे में फंदे से पर लटका हुआ पाया गया. परीक्षा हॉल में साहिल के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़े जाने के कुछ घंटों बाद यह घटना हुई. दरअसल परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था. इसके कुछ घंटे बाद ही उसका शव हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला. इस घटना से हड़कंप मच गया था. घटना के विरोध में छात्रों ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया था और जमकर बवाल काटा था.

आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज इधर साहिल के माता-पिता ने आरोप लगाया था कि प्रोफेसर दूल्हा ने उनके बेटे के साथ जातिगत भेदभाव किया. परिवार ने उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी. इस मामले ने बेहद गंभीर रूप ले लिया. पुलिस ने छात्र के पिता रविंद्र वाकोडे की शिकायत के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया.

प्रोफेसर दूल्हा ने किया आरोपों का खंडन

सूत्रों के मुताबिक प्रोफेसर दूल्हा ने पूछताछ के दौरान अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का खंडन किया और कहा कि उन्होंने संस्थान के दिशानिर्देशों का पालन किया. इसके साथ ही उन्होंने मृतक छात्र के खिलाफ किसी भी प्रकार की जातिवादी टिप्पणी या अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने से भी इनकार किया. इस मामले में उनका नाम सामने आने के बाद प्रोफेसर दूल्हा को छात्र कल्याण विभाग के डीन के पद से हटा दिया गया था और उन्हें छुट्टी पर भेज दिया गया.

IIT बॉम्बे के संकाय सदस्यों ने किया बचाव

बाद में मुंबई पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया था. हालांकि, दृढ़दृष्ट बॉम्बे के संकाय सदस्यों ने प्रोफेसर दूल्हा के समर्थन में बोलते हुए कहा कि उन्हें सिर्फ अपना काम करने के लिए बदनाम किया जा रहा है.

एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रचा इतिहास, लगातार दूसरी बार जीता स्वर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए भी सीधे क्वालीफाई कर लिया। एशियन गेम्स के इतिहास में यह पहली बार है, जब भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लगातार दो बार स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। उनके अलावा जुगराज सिंह, उपकप्तान हार्दिक सिंह और शिलानंद लकड़ ने एक-एक गोल किया। मलेशिया की ओर से एकमात्र गोल

शेले सिल्वरियस ने 14वें मिनट में किया। मुकाबले की शुरुआत दोनों टीमों के बीच कड़े संघर्ष के साथ हुई। 11वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, तीन मिनट बाद मलेशिया ने जवाबी हमला करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 23वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह ने शानदार ड्रैग फ्लिक के जरिए गोल दागा और भारत को 2-1 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक भारतीय टीम इसी बढ़त के साथ रही। तीसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। 42वें मिनट में उपकप्तान हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर



एशियन गेम्स 2026: प्रणवी उर्स ने गोल्फ में दिलाया ऐतिहासिक गोल्ड, महिला टीम ने जीता सिल्वर

कासुगई (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने कासुगई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में इतिहास रच दिया है। प्रणवी व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले में गोल्ड मेडल जीतते वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। चार दिनों तक चले इवेंट में उन्होंने 15-अंडर 265 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अपने अंतिम दिन प्रणवी ने ईवन पार 70 का स्कोर किया और देश को गौरव दिलाया।

प्रणवी की शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने भी चार दिनों में 14-अंडर 546 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता। यह एशियन गेम्स के इतिहास में महिला टीम स्पर्धा में भारत का पहला गोल्फ मेडल है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जहां प्रणवी ने सीधे स्थान हासिल किया, वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिलाचुला रहा। अदिति अशोक ने अंतिम दिन 3-अंडर 67 का स्कोर बनाया और कुल 2-ओवर 282 के साथ 14वें स्थान पर रहीं। दीक्षा डायर चौथे दिन 7-ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर रहीं, उनका कुल



स्कोर 12-ओवर रहा। प्रणवी आखिरी दिन दूसरे स्थान पर चल रही सिंगापुर की शैनन टैन से तीन स्ट्रोक की बढ़त के साथ उतरी थीं। तीसरे होल पर ट्रिपल बोगी के साथ उनकी शुरुआत थोड़ी लड़खड़ाई, जिससे वे कुछ समय के लिए दूसरे स्थान पर खिसक गईं। हालांकि, प्रणवी ने असाधारण वापसी करते हुए छठे, 10वें और 13वें होल पर तीन बड्डी लगाकर फिर से बढ़त बना ली। उन्होंने 18वें होल पर ईवन पार स्कोर करके अपना गोल्ड मेडल पक्का किया। चीन की यिन रुओजिंग और सिंगापुर की शैनन टैन ने 14-अंडर पार पर रहने के कारण संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल जीता।

एशियन गेम्स 2026 : ईशान किशन ने रचा इतिहास, एक कैलेंडर वर्ष में हजार टी20 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय

निशियो। एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे मुकाबले के दौरान भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। ईशान इस मुकाबले में 18 गेंदों पर 20 रन ही बना सके, लेकिन उनकी यह पारी ऐतिहासिक रिकॉर्ड के साथ दर्ज हो गई। ईशान ने 2026 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह एक कैलेंडर वर्ष में यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने गए हैं। ईशान किशन ने इस साल अब तक 169 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1,005 रन बनाए हैं। उनसे पहले सूर्यकुमार यादव ने 2022 में यह मुकाम हासिल किया था। सूर्यकुमार ने उस कैलेंडर वर्ष में 187 के स्ट्राइक रेट से 1,164 रन बनाए थे। अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के करणबीर सिंह के नाम बताया गया है।

उन्होंने 2025 में 174 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1,472 रन बनाए थे। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 2021 में 1,326 रन बनाए थे। मैच की बात करें तो एशियन गेम्स के फाइनल में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने एक बार फिर आक्रमक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने महज 28 गेंदों में तीन चौकों और सात छकों की मदद से 61 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी ने भारतीय पारी को तेज शुरुआत देने के साथ बड़े स्कोर की नींव तैयार की। तिलक वर्मा ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाए। शिवम दुबे ने 15 गेंदों पर 27 रन का योगदान दिया। हालांकि वैभव सूर्यवंशी बड़ी पारी नहीं खेल सके और नी गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। संजु सैमसन का बल्ल भी नहीं चला और वह केवल दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 24 गेंदों का सामना किया, लेकिन 21 रन ही बना सके।



विराट कोहली को 7 साल बाद मिला गोल्डन डक, ईशांत-कुंबले को भी छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को वेस्टइंडीज के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में एक निराशाजनक अनुभव हुआ। वे अपनी पारी की पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जिसे क्रिकेट की भाषा में गोल्डन डक कहा जाता है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन स्मिथ ने तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर कोहली को इनविजिगिंग यॉर्कर से बोल्ट कर दिया। यह घटना तब हुई जब सील्स ने पिछली गेंद पर कप्तान शुभमन मिल को भी विकेट के पीछे लपकवाया था, जिससे भारतीय टीम मुश्किल में आई।

करीब सात साल बाद वनडे क्रिकेट में यह पहला मौका था जब कोहली गोल्डन डक का

शिकार हुए हैं। वर्तमान में, विराट कोहली सिर्फ वनडे प्रारूप में भारतीय टीम के लिए सक्रिय हैं, क्योंकि वे टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। यह भी एक दिलचस्प संयोग है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पिछले चार मौकों पर जब भी विराट कोहली शून्य पर आउट हुए हैं, वह अक्टूबर का महीना रहा है। न्यू चंडीगढ़ की घटना से पहले वे अक्टूबर 2025 में दो बार और अक्टूबर 2024 में एक बार खाता खोले बिना आउट हुए थे। उनके वनडे करियर की यह चौथी गोल्डन डक थी, और हैरत की बात यह है कि इन चार में से तीन बार उन्हें वेस्टइंडीज के विरुद्ध ही गोल्डन डक का सामना करना पड़ा है। इससे पहले वे 2019 में विशाखापट्टनम में कीरोन पोलार्ड के खिलाफ, 2013 में धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ

और 2011 में नॉर्थसाउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ गोल्डन डक हुए थे।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद, कोहली ने अपने नाम एक और आंकड़ा दर्ज किया है, हालांकि यह कुछ ऐसा नहीं जिसे वे याद रखना चाहेंगे। वे अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कुल 565 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वे 41 बार डक का शिकार हुए हैं, जिससे उन्होंने तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा (199 मैचों में 40 डक) को पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान 303 मैचों में 43 डक के साथ शीर्ष पर हैं। वनडे क्रिकेट में भी, कोहली अब 317 मैचों में 19वीं बार शून्य पर आउट होकर पूर्व पेसर जवागल श्रीनाथ (229 मैचों में 19



एशियन गेम्स 2026: भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर जीता स्वर्ण, खिताब बरकरार

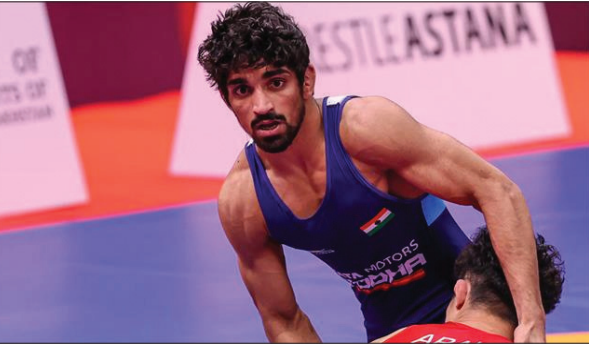
निशान (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। कोरोंगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स में क्रिकेट का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक हासिल करते हुए अपना खिताब बरकरार रखा। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने तिरंगा लहराकर मैदान का चक्र लगाया और स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों का अभिवादन किया। भारत को शुरुआत में ही अभिषेक शर्मा और युवा वैभव सूर्यवंशी ने तेज रन बनाने में मदद की। अभिषेक ने 28 गेंदों में 61 रन की आक्रामक पारी खेली। उन्होंने तीन चौके और सात छक्के लगाए तथा महज 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। वैभव



ने भी नौ गेंदों में 15 रन बनाए और दो छक्के जड़े। हालांकि वह सईम अयूब की गेंद पर आउट हो गए। शुरुआती ओवरों में दोनों बल्लेबाजों की आक्रामक बल्लेबाजी ने पाकिस्तान के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। अभिषेक के आउट होने के बाद भारतीय पारी को मध्यक्रम में तिलक वर्मा ने संभाला। तिलक ने केवल 22 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। उनकी पारी में तीन

हसन नवाज ने भारतीय गेंदबाजों का सामना करते हुए 51 गेंदों में 96 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन वह शतक से चार रन दूर रह गए। साद मसूद ने पांच गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। भारत की ओर से शिवम दुबे ने तीन ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिए। पारी की आखिरी गेंद पर दुबे ने हसन नवाज को संजु सैमसन के हाथों कैच कराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। एशियन गेम्स क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान के बीच यह पहली पारी खेली। दूसरी ओर ईशान किशन 18 गेंदों पर 20 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। इन पारियों की बदौलत भारत ने 211 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने भी तेज शुरुआत करने की कोशिश की।

संघर्ष से शिखर तक: अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में दिलाया स्वर्ण



मुम्बई (एजेंसी)। हांगझोउ में चल रहे एशियाई खेलों के पंद्रहवें दिन भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने देश के लिए 20वां स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। 57 किलोग्राम वर्ग के कड़े मुकाबले में अमन ने उत्तर कोरिया के विश्व चैंपियन चोंग सांग हान को 11-7 से हराकर पोजियम के शीर्ष स्थान पर कब्जा किया। यह अमन का इन खेलों में शानदार प्रदर्शन था, जहाँ उन्होंने अपनी पिछली ब्रॉन्ज मेडल की उपलब्धि को स्वर्ण में बदल दिया। 23 वर्षीय भारतीय पहलवान ने निर्णायक मुकाबले में बेहतरीन रणनीति का प्रदर्शन किया। एक समय प्रतिद्वंद्वी ने 7-6 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अमन ने जबर्दस्त वापसी करते हुए मैच को अपने पक्ष में कर लिया और स्वर्ण पदक भारत के नाम किया। इससे पहले, सेमीफाइनल में उन्होंने ताजिकिस्तान के ऐयाल बेलोलियुब्स्की को 14-8 से हराकर स्वर्ण पदक की

उम्मीद जगाई थी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता बने अमन फाइनल में लगातार नियंत्रण में रहे।

अमन सहरावत का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। हरियाणा के झज्जर जिले के बिरौहड़ गांव के रहने वाले अमन जब मात्र 11 साल के थे, तब उनकी मां का निधन हो गया और कुछ ही महीनों बाद उनके पिता का भी साया सिर से उठ गया। इन विपरीत परिस्थितियों में उनकी बहन और चाचा ने उनका सहारा बने। चाचा ने उन्हें छत्रपाल स्टेडियम में कुश्ती का प्रशिक्षण दिलाया, जहाँ अमन ने पूरी लगन और मेहनत से अभ्यास किया। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में 57 किग्रा कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जिससे वह ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के सबसे युवा एथलीट बन गए।

पाकिस्तान फिर नहीं सुधरा, सैम अयूब की हरकत ने खोली पोल

निशियो। यह पुरानी कहावत है कि कुत्ते की दुम को चाहे कितने सालों तक मिट्टी में दबाकर रखो, निकालेंगे तो टेढ़ी की टेढ़ी ही निकलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का हाल भी कुछ ऐसा ही है। लगातार हार और विश्व क्रिकेट में टॉफी चोर का टैग झेल रही पाकिस्तानी टीम ने एक बार फिर अपनी घटिया हरकत से खुद को शर्मसार किया। हाल ही में एक टी-20 फाइनल मुकाबले में, लगातार 6 मैच हारने के बाद भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भारतीय खिलाड़ियों को उकसाने की कोशिश की, जिसका खामियाजा उन्हें मैदान पर भुगतान पड़ा। यह घटना तब घटी जब पाकिस्तान के युवा खिलाड़ी सैम अयूब ने भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद बाव्य गेंद में लेने वाला भद्दा सेलिब्रेशन किया। वैभव, जो इस समय पूरी दुनिया में, यहां तक कि पकिस्तान में भी हजारों प्रशंसकों के चहेते हैं, उन्होंने इस उकसावे पर संयम बनाए रखा और पलटकर जवाब नहीं दिया। हालांकि, उनके साथी ओपनर अभिषेक ने इस हरकत का करारा जवाब दिया। सैम अयूब के उसी ओवर में अभिषेक ने एक छक्का और दो चौके जड़कर तीन ओवर में ही भारतीय स्कोर को 43 रन तक पहुंचा दिया और पाकिस्तान की नींव हिला दी। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने मैदान पर ऐसी अशोभीनीय हरकत की हो। इससे पहले एशियन गेम्स और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट्स में भी पाकिस्तान के खिलाड़ी भारतीय बल्लेबाजों को चिढ़ा चुके हैं। एशिया कप में अबरार अहमद ने एक भारतीय बल्लेबाज को आउट करने के बाद गंदा सा इशारा करके जश्न मनाया था, जिसके बाद पूरे टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने उनको दूँद-दूँद कर मारा था।

रोनाल्डो बोले, प्रशिक्षण शिविर छोड़ने के कारणों का खुलासा समय आने पर करेंगे



कोपेनहेगन (ईएमएस)। पुर्तगाल फुटबॉल में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसी कारण टीम के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कोच जॉर्ज जौसस के साथ मतभेदों के कारण टीम का प्रशिक्षण शिविर छोड़ दिया। सबसे अधिक हैरानी की बात ये रही कि रोनाल्डो ने ये कदम डेनमार्क के खिलाफ नेशंस लीग मुकाबले से ठीक पहले उठाया जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं। इससे कोच जॉर्ज के साथ उनके मतभेदों की बात भी खुलकर सामने आ गयी है। वहीं इस स्टार खिलाड़ी के प्रशंसकों का कहना है कि वह शिविर छोड़ने की असली वजह सही समय आने पर बताएंगे। रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में कहा कि उन्होंने शिविर छोड़ने से पहले पुर्तगाल फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष पेड्रो प्रोएन्सा से बातचीत की थी।

यह विवाद तब पहली बार सामने आया जब रोनाल्डो अंतिम अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं हुए। इसके बाद वह पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ की गाड़ी में बैठ गये। जब टीम अपने होटल पहुंची, तो रोनाल्डो और कोच दोनों ही टीम के साथ मौजूद नहीं थे, जिससे इस पूरे मामले को लेकर रहस्य और बढ़ गया। वहीं कोच ने रोनाल्डो के अभ्यास में शामिल नहीं होने की बातों को नकार दिया। उन्होंने कहा था कि रोनाल्डो के ट्रेनिंग से दूर रहने की कोई खास वजह नहीं थी और मैच से कुछ दिनों बाद खिलाड़ी का अलग अभ्यास करना सामान्य बात है। कोच ने यह भी दावा किया था कि रोनाल्डो उसी दिन टीम के साथ अभ्यास करेंगे और उनसे बातचीत में रोनाल्डो ने साफ किया था कि वह टीम के फैसले के अनुसार खेलने या बाहर बैठने के लिए तैयार हैं। कोच ने उस दौरान किसी भी तरह के विवाद या घटना होने से इनकार किया था।

इतिहास रचने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम पर बरसे पैसे

हांगझोऊ। चीन में आयोजित एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 साल बाद स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। इस ऐतिहासिक जीत में टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन चीन को 1-0 से मात दी। यह जीत सिर्फ स्वर्ण पदक तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने टीम के लिए लॉस एंजलिस ओलंपिक 2028 का टिकट भी पक्का कर दिया है, जिससे देश में खुशी की लहरें दौड़ गई हैं। हॉकी इंडिया ने इस अविस्मरणीय उपलब्धि पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 11-11 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 5.5-5.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। शुक्रवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरू से ही आक्रमक खेल दिखाया। टीम की फॉरवर्ड लालरेम्सियामी ने मैच के 10वें मिनट में ही एक शानदार गोल दागकर भारत को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। इसके बाद, चीनी टीम ने बराबरी करने के कई प्रयास किए, लेकिन भारतीय रक्षापिं और विशेषकर गोलकीपर सविता पूनिया की शानदार फॉर्म ने उन्हें सफल नहीं होने दिया।

डक) के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज अनिल कुंबले (269 वनडे में 18 डक) और युवराज सिंह (301 वनडे में 18



डक) को पीछे छोड़ दिया है, जबकि महान सचिन तेंदुलकर 463 वनडे में 20 डक के साथ पहले पायदात पर बने हुए हैं।

हॉरर थ्रिलर प्रोजेक्ट से जुड़े अजय देवगन

अजय देवगन की अपकमिंग हॉरर थ्रिलर फिल्म का आधिकारिक टाइटल सामने आया है। इस फिल्म के निर्देशक रोहित जुगराज हैं। पहले इस प्रोजेक्ट को 'गृह प्रवेश' के नाम से जाना जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस फिल्म का नाम 'सूर्य प्रकाश' रखा गया है।

किससे प्रेरित है कहानी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सुपरनैचुरल थ्रिलर एक रहस्यमयी और नैतिक रूप से जटिल दुनिया को दिखाएगी, जिसमें देवगन एक ऐसा किरदार निभाएंगे जो उनकी हालिया फिल्मों के किरदारों से बिल्कुल अलग होगा। कहा जाता

है कि इसकी कहानी गरुड़ पुराण से प्रेरित है, जो एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। यह ग्रंथ पारंपरिक रूप से भगवान विष्णु और पक्षियों के राजा गरुड़ के बीच बातचीत के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

'सूर्य प्रकाश' टाइटल इस कहानी में रहस्य और रोमांच की एक और परत जोड़ता है, जिसमें हॉरर, मिस्ट्री और सस्पेंस का मिश्रण होने की उम्मीद है। फिल्म का प्रोडक्शन दो सितंबर को शुरू हुआ और इसके नवंबर तक चलने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक, मेकर्स इसे 2027 की दूसरी छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज करने का लक्ष्य बना रहे हैं। इस फिल्म को पैनेरमा स्टूडियोज के कुमार मंगत और अभिषेक पाठक, देवगन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

रोहित जुगराज का

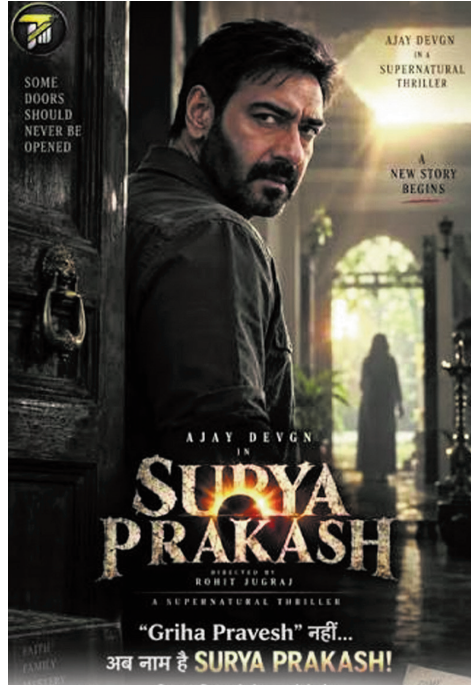
हॉरर जॉनर से नाता

'सूर्य प्रकाश' के निर्देशक रोहित जुगराज का

हॉरर जॉनर से पुराना नाता रहा है। उन्होंने 2003 में अजय देवगन की फिल्म 'भूत' में राम गोपाल वर्मा के असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद जुगराज ने 'सरदारजी' फिल्में डायरेक्ट कीं और 'ये काली काली आंखें' और 'चमक' जैसे स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स पर भी काम किया। 'सूर्या प्रकाश' पर देवगन के साथ उनका काम सुपरनैचुरल जॉनर में एक और कोशिश है, जो इस बार एक मिस्ट्री-बेस्ड कहानी के जरिए सामने आएगी।

अजय देवगन का वर्कफ्रंट

अजय देवगन जल्द ही रोहित शेड्डी की 'गोलमाल 5' में भी नजर आएंगे। यह फिल्म 'गोलमाल' सीरीज की पांचवीं फिल्म है। खास बात यह है कि इस फिल्म से अक्षय कुमार भी जुड़े हैं। बताया जाता है कि वह इस फिल्म में विलेन का किरदार करेंगे। अजय देवगन 'दृश्यम: द कन्वल्जन्' की तैयारी कर रहे हैं, जो इस पॉपुलर थ्रिलर फ्रैंचाइजी का अगला चैप्टर है।



सहायक निर्देशक से हीरोइन बनीं शरवरी वाघ

बोलीं-बॉलीवुड के गानों ने बनाया अभिनेत्री

बॉलीवुड में

सहायक

निर्देशक से

अपने करियर की

शुरुआत करने वाली

अभिनेत्री शरवरी वाघ

पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'ये

प्रेम मोल लिया' में नजर

आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि

बॉलीवुड के गाने और डांस ने ही उन्हें

अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया। अभिनेत्री ने

कहा, 'बॉलीवुड के गाने और डांस ही एक बड़ी

वजह है कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती थी। साथ

ही, मैं माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर

दीवाना' में और करिश्मा मैम और सोनाली मैम

को 'मेर्या यशोदा' में देखते हुए बड़ी हुई हूँ और

में घर आकर इन गानों पर डांस करती थी और

खुद को एक दिन स्क्रीन पर उस हीरोइन के रूप

में कल्पना करती थी।' अभिनेत्री ने इन पलों को बॉलीवुड से प्यार होने

की वजह बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है

सलमान खान की 'मॉन्स्टर' में होगा जबरदस्त एक्शन

सलमान खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को बड़े पर्दे पर देखने का दुनिया भर में मौजूद फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन्हीं मच अवेटेड फिल्मों में से एक है सुपरस्टार स्टारर फिल्म 'मॉन्स्टर', जिसे श्री वेंकटेश्वरा क्रिएशंस के बैनर तले बनाया जा रहा है, जबकि इसे जाने माने फिल्ममेकर वामशी पंडितल्लू डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान के साथ नयनतारा स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। बता दें कि सलमान की इस हाई-बजट एक्शन ड्रामा ने दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा की है। फिल्म से जुड़े अपडेट्स का इंतजार कर रहे फैंस के लिए इससे जुड़े एक करीबी सूत्र ने यह जानकारी दी है कि प्रोजेक्ट में खलनायक की भूमिका निभा रहे अरविंद स्वामी, हाल के समय में 10 दिनों के बड़े शेड्यूल के लिए मुंबई में मौजूद हैं। मुंबई में शूट होने वाले फिल्म के सीन्स खास हाईलाइट होने वाले हैं, क्योंकि जानकारी के मुताबिक वे सलमान खान के साथ कुछ अहम हिस्से के साथ-साथ कुछ एक्शंस सीन्स की भी शूटिंग कर रहे हैं। सूत्र ने जानकारी साझा करते हुए बताया है कि, 'मुंबई में अरविंद स्वामी ने अपनी 10 दिनों के शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है, और टीम इन सीक्वेंस की कोरियोग्राफी और एग्जीक्यूशन पर बहुत काम कर रही है।



वाणी कपूर संग पहली बार नजर आएंगे इश्वाक सिंह

इन दिनों अपनी फिल्म 'गांधारी' को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने 'पाताल लोक', 'रॉकेट बॉयज' और 'बर्लिन' जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिलेखा एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। इस बारे में खास बातचीत में इश्वाक ने कहा...

बेहतरीन टीम के साथ काम करने में आया मजा

फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने अमर उजाला डिजिटल को बताया, 'शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत

अच्छा समय बीता।'

2023 में पूरी हुई थी शूटिंग अब रिलीज का इंतजार

बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिलेखा ने कहा, 'देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी अनार्रेंस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।'

वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

वाणी कपूर के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'वाकई मैं, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हां, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों

को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।'

क्या है कहानी

'सर्वगुण संपन्न' की कहानी एक ऐसी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी शवल एक मशहूर एडल्ट फिल्म स्टार से मिलती है। इस वजह से उसे समाज और शादी से जुड़े कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ता है। फिल्म मजाकिया अंदाज में महिलाओं पर समाज की उम्मीदों और अपनी पहचान के साथ जीने की बात करती है। फिल्म में रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, प्रयरक मेहता, गीता त्यागी, नामिक पॉल और श्वेता पासरिवा भी नजर आएंगे। फिल्म जी5 पर स्ट्रीम होगी। निर्देशन सोनाली रतन देशमुख ने किया है।



अभिनय की बारीकियां सीखने में सीनियर्स ने काफी मदद की

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया के बीच अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अभिनय के तकनीकी पहलुओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में अभिनय की तकनीकी बारीकियां सीखने में उनके सीनियर्स ने उनकी काफी मदद की थी। फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिव्या दत्ता ने बातचीत की। दिव्या दत्ता ने कहा, 'सबसे पहले, जहां तक मेरे लिए तकनीकी पहलुओं की बात है, अगर मुझे अपनी बुनियादी चीजें पता हैं, मैं अपना डायलॉग टीक से बोल रही हूँ और वह स्क्रीन पर सही तरीके से नजर आ रहा है, तो मेरे लिए इतना काफी है। एक समय ऐसा भी था, जब मुझे इन चीजों की जानकारी नहीं थी। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही थी, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही थी। उस समय मेरे सीनियर्स ने मेरा हाथ थामा और मुझसे कहा, 'सुनो, तुम अच्छा कर रही हो, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही हो।' इस मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ।'

उन्होंने आगे कहा, 'समय के साथ आप ये चीजें सीखते हैं। वे यह भी कहते हैं कि पहले अपनी लाइनें अच्छे से तैयार कर लो, तकनीकी चीजों को समझ लो और उसके बाद बस उस पल में पूरी तरह शामिल हो जाओ। उस पल का जादू अपने आप होने दो। अगर मैं अपने को-एक्टर की आंखों में देख रही हूँ, तो शायद हर टेक अलग होगा। हर टेक में जब मैं उनकी आंखों में देखूंगी तो उससे एक अलग भावना पैदा हो सकती है।'

दिव्या ने आगे कहा, 'वह भावना कभी ऊपर जा सकती है और कभी नीचे। कई बार यह आपको हैरान भी कर देती है। इसलिए आपको उसे स्वाभाविक रूप से होने देना चाहिए। अगर आप बहुत ज्यादा बंध जाते हैं और सोचते हैं कि 'नहीं, नहीं, यही सीमा है और मुझे इसी नोट पर परफॉर्म करना है', तो आपका अभिनय बहुत सीमित हो जाता है। आपको बस अपने अभिनय को स्वाभाविक रूप से बहने देना चाहिए।' इस बीच, 'लास्ट मैन इन टावर' अरविंद अडिगा के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलते मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुरानी अपार्टमेंट बिल्डिंग में रहते हैं। जब एक अमीर डेवलपर वहां के निवासियों को इमारत बेचने के बदले बड़ी रकम की पेशकश करता है, ताकि उसकी जगह एक लक्जरी टावर बनाया जा सके, तो ज्यादातर लोग पैसे के लालच में इस प्रस्ताव के लिए तैयार हो जाते हैं। हालांकि, मनोज बाजपेयी का किरदार वहां से जाने से इनकार कर देता है और इस तरह वह पुनर्विकास योजना के रास्ते में अकेली बड़ी बाधा बन जाता है।



....ऐसे शुरू हुई स्टेबिन बेन और नूपुर सेनन की लव स्टोरी

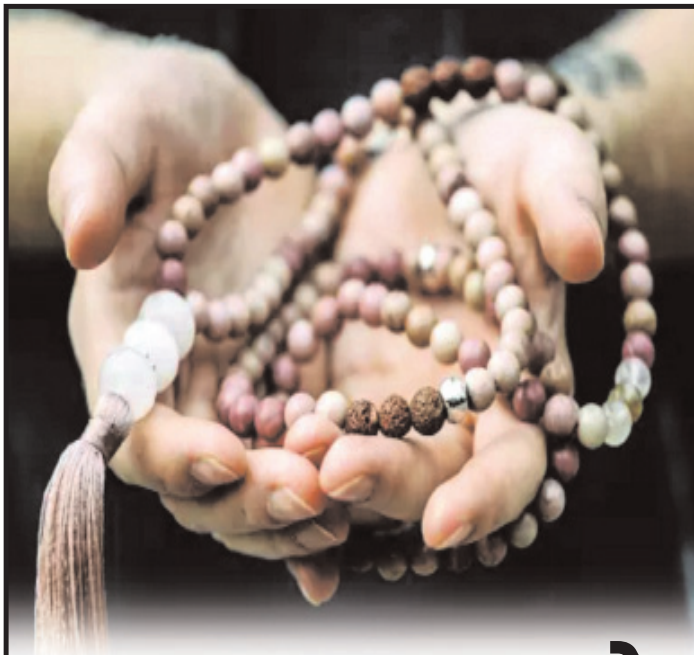
गायक स्टेबिन बेन और नूपुर सेनन हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में पहुंचे, जहां इस कपल ने अपनी दिलचस्प प्रेम कहानी का खुलकर जिक्र किया। शो के दौरान

स्टेबिन बेन ने बताया कि उन्होंने पहली बार 2016 में नूपुर को कोलैब के लिए मैसेज किया था। स्टेबिन ने बताया, 'हम दोनों को म्यूजिक से बहुत प्यार था। नूपुर क्लासिकली ट्रेन सिंगर हैं और मैंने कोई प्रोफेशनल ट्रेनिंग नहीं ली है, लेकिन मैं गाता था।'

स्टेबिन बेन ने बताया, 'इसी तरह हम इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे के काम की तारीफ करते-करते बात करने लगे। मैंने नूपुर को बहुत साल पहले 2016 में कोलैब के लिए डीएम (डायरेक्ट मैसेज) किया था, तब वो यूट्यूबर थीं। नूपुर ने बताया कि उन्होंने स्टेबिन का मैसेज लगभग 4 साल तक देखा ही नहीं था। 2020 में जब उन्होंने स्टेबिन का गाना हुआ 'मेरा दिल भी कितना पागल है' का कवर सुना, तब पहली बार उन्होंने उनकी आवाज सुनी और उन्हें उनकी आवाज

बहुत पसंद आई। नूपुर ने याद करते हुए बताया, 'उस समय मैं सिंगल थी और एक दिन मैंने इंस्टाग्राम पर स्टेबिन का डीएम देखा। उन्होंने यह मैसेज 2016 में कोलैब के लिए भेजा था। उनके मैसेज में कुछ अलग वाइब और एनर्जी थी, इसलिए मैंने रिप्लाई किया और हमारी बातें शुरू हो गईं। वो मुझे गानों के वॉइस नोट भेजते थे और मुझे वो बहुत पसंद आते थे।' नूपुर सेनन और प्रसिद्ध भारतीय गायक स्टेबिन बेन ने जनवरी 2026 में उदयपुर में शादी की थी। यह शादी शादी उदयपुर में उदयसागर झील के बीच स्थित रेफ्लेक्स होटल में हुई। कपल ने दो अलग-अलग रीति-रिवाजों से शादी की थी। उन्होंने पहले 10 जनवरी 2026 को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से सफेद गाउन और सूट पहनकर वाइट वेडिंग की। इसके बाद पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों से सात फेरे लिए। हिंदू विवाह समारोह के दौरान नूपुर ने पीच और ऑरेंज रंग का खूबसूरत डुअल-टोन लहंगा पहना था।





मंत्र काम क्यों नहीं करते हैं

आपने अक्सर सत्संग में सुना होगा, रामायण, महाभारत या वेदों आदि में पढ़ा होगा कि प्राचीन काल में तपस्वी लोग मंत्रों की शक्ति से जो चाहे हासिल कर लेते थे। वे जिस चीज का आह्वान करते थे, उसे तुरंत पा लेते थे। आज भी आप जब शारीरिक या आर्थिक रूप से परेशान होते हैं, और किसी ज्योतिषी के पास जाते हैं, तो वह क्या करता है। जन्म पत्रिका देखने के बाद पीड़ित ग्रह की शक्ति के लिए कुछ उपाय बता देता है और कुछ मंत्रों का जाप करने के लिए कहता है। ऐसे में कई बार लोग सवाल करते हैं कि उन्होंने मंत्रों का जाप तो किया, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली। आखिर ऐसा क्यों होता है कि जो मंत्र प्राचीन काल में सिद्ध थे, उनका प्रभाव आज कम दिखता है या नहीं दिखता है। मंत्रों की शक्ति प्रभावी क्यों नहीं होती है। आज हम आपको इसका सबसे बड़ा राज बताने जा रहे हैं कि मंत्रों की शक्ति आखिर काम कैसे करती है। दरअसल, आज लोग मंत्रों को जाप करते समय सिर्फ मुंह से बोलते रहते हैं। उसमें उनका मन और आत्मा नहीं शामिल होती है। मंत्र पढ़ते या जपते समय आधा ध्यान घर के काम में लगा होता है और कई बार तो लोग मंत्रों का जाप करते हुए घर की साफ सफाई भी कर देते हैं, गाड़ी भी चला लेते हैं। उन्हें लगता है कि पंडित ने जपने के लिए कहा था और यह किसी काम को करते हुए भी तो किया जा सकता है।

मगर, यह गलत तरीका है। मान लीजिए आपके घर में अंधेरा है और आप जीरो वॉट का बल्ब लगाते हैं, तो कितनी रोशनी मिलेगी? फिर आप कहेंगे बल्ब तो जला दिया है, लेकिन रोशनी तो आ ही नहीं रही है। यही तो आप मंत्रों को जपते हुए कर रहे हैं। जीरो वॉट के बल्ब की तरह सिर्फ मुंह से मंत्र का उच्चारण करते जा रहे हैं। खुद ही सोचिए क्या वह फलीभूत होंगे। दूसरा तरीका है, मन से जाप करने का। एक जगह ध्यान लगाकर बैठ जाएं। आपको विचलित करने वाली कोई चीज मोबाइल, किसी तरह का शोर नहीं हो। मंत्र को पूरे मनोयोग से ध्यान केंद्रित करते हुए जपें। जब मन की शक्ति शामिल होगी, तो यह 10 वाट के बल्ब की तरह रोशनी देगी। आपको इसका फायदा होता दिखेगा।

तीसरा तरीका है आत्मा से मंत्रों का जप करना। यह 100 वॉट का बल्ब है, जो पूरे कमरे को रोशनी से भर देगा। क्योंकि इसमें आपका शरीर यानी मुंह से मंत्रों का उच्चारण हो रहा होगा, मन यानी ध्यान में भी आपके मंत्र होंगे और आत्मा यानी आपके शरीर के सारी चक्र, रोम-रोम उसका उच्चारण कर रहा होगा, जैसे प्राचीन काल में लोग करते थे। अब बताइए 100 वॉट का बल्ब जलेगा, तो क्या मंत्रों की शक्ति आपके जीवन के अंधकार को दूर नहीं कर देगी।

मंत्र तो वही थे, वही रहेंगे, लेकिन उन्हें जपने और सिद्ध करने में आप कितनी ऊर्जा लगाते हैं। इससे तय होता है कि आपको उसका फायदा कितना मिल रहा है। पहले तरीके से मंत्र जपने से तो बेहतर है कि आप न ही करें क्योंकि इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा। यह बिल्कुल टेप रिकॉर्डर की तरह है, जिसमें आपके मन ने मंत्र बोलने की फीडिंग कर ली है और जैसे आप बाइक या कार चलाते हुए ध्यान नहीं देते हैं और कार चलती रहती है, वैसे ही मंत्रों की शक्ति को बढ़ाते नहीं है। दिमाग की प्रोग्रामिक के चलते मंत्र मुंह से निकलते रहते हैं।

इस कुंड के सामने ताली बजाने पर निकलता है पानी

आपने बहुत से जल कुंड के रहस्यों के बारे में सुना होगा। किसी कुंड के जल से रोग ठीक हो जाते हैं, तो किसी कुंड का जल भविष्य में होने वाली आपदाओं का संकेत देता है। भारत में ऐसे बहुत सारे जल कुंड हैं, जिनके रहस्य आज भी अनसुलझे हैं। ऐसा ही एक रहस्यमय कुंड झारखंड के बोकारो जिले में स्थित है। इस कुंड को दलाही कुंड के नाम से जाना जाता है। इसकी सबसे खास बात ये है कि अगर आप इस कुंड के सामने आप ताली बजाएंगे तो पानी अपने आप ही निकल आएगा। इस कुंड में पानी इतनी तेजी से निकलता है कि जिसे देखकर लगता है कि जैसे पानी उबल रहा हो। इसकी एक और खासियत है यहां सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा पानी निकलता है। बोकारो से 27 किलोमीटर दूर इस अनोखे कुंड में नहाने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। इस कुंड पर कई वैज्ञानिकों ने शोध किया कि आखिर यहां पानी एकदम साफ है और ये औषधीय गुणों से भरा हुआ है।

पूरी होती है मन्नत

लोगों का मानना है कि कुंड के सामने जो भी मन्नत मांगी जाती है, वह पूरी होती है। इसमें एक बार नहा लेने से कभी भी कोई भी त्वचा से संबंधित रोग नहीं होता है। इस कुंड से निकलने वाला पानी जमुई नामक नाले से होता हुआ गर्गा नदी में जाता है। ये कुंड कंक्रीट की दीवारों से घिरा हुआ है। इस जलाशय का पानी एकदम साफ है और ये औषधीय गुणों से भरा हुआ है।

संक्रांति में लगता है मेला

वर्ष 1984 से यहां हर साल मकर संक्रांति पर मेला लगता है। कुंड के निकट दलाही गोसाईं का देव स्थान है। यहां हर रविवार को श्रद्धालु आते हैं।



मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का करें ये उपाय

आज के अर्थ युग में पैसा हर किसी की जरूरत है।

हालांकि, इस भौतिकतावादी समाज में ईसाज हर सुख और पैसा की चीज को खरीदना चाहता है, जिसके लिए वह ऋण लेता है। कई बार कुछ मजबूरियों के चलते भी लोगों को ऋण लेना पड़ता है।

यदि ऋण लेने के बाद आप उसे चुका नहीं पा रहे हैं, तो एक आसान उपाय इसमें आपको मदद कर सकता है। इस उपाय को करने से आपके पास धन के आने के रास्ते खुल जाएंगे और आप आसानी से अपना ऋण चुका सकेंगे। शुक्रवार की रात्रि में ग्यारह बजे के बाद एकाग्रता से बैठकर, नेत्र बंद करके ऐसा ध्यान करें कि आपके सामने महालक्ष्मी कमलासन पर विराजमान हो और आप

उनके ऊपर कमल पुष्प चढ़ा रहे हैं। ऐसे 108 मानसिक कमल पुष्प अर्पित करें। ऐसा करने से लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। यह उपाय हर शुक्रवार को करें। ऐसा करने से अवश्य ही आपका ऋण जल्दी उतर जाएगा।

चंचला हैं लक्ष्मी

यह तो सभी जानते हैं कि लक्ष्मी चंचला हैं। वह किसी भी स्थान पर ज्यादा देर तक नहीं टिकती हैं। लक्ष्मीजी हमेशा विष्णु भगवान के साथ रहती हैं। इसलिए यदि इस उपाय के साथ ही विष्णु सहस्रनाम या गोपाल सहस्रनाम का पाठ करें, तो घर में विष्णु भगवान का वास और कृपा भी होती है। यदि घर में विष्णु भगवान का वास हो गया, तो लक्ष्मी जी स्वतः वहां बनी रहेंगी।



योगमाया है श्रीकृष्ण की मुरली

भारतीय संस्कृति के महानायक श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व बहुरंगी है। ज्ञानेश्वरी के लाडले श्रीकृष्ण, गीता के तत्ववेत्ता श्रीकृष्ण, गोकुल के नटखट कृष्ण, राधा-मीरा और आम भक्तों के भक्त वत्सल कृष्ण, राजनीतिज्ञ द्वारकाधीश कृष्ण, योगेश्वर कृष्ण ऐसे न जाने उनके कितने रूप हैं लेकिन सबसे लोकप्रिय है मुरलीधर कृष्ण। मुरली के बिना श्रीकृष्ण की कल्पना संभव नहीं। उनकी बांसुरी में हमें जीवन के अनेक अर्थ मिलते हैं। बाहरी शोरगुल से शांत अंतरात्मा की आवाज सुनने का माध्यम है 'ध्यान' और कृष्ण की मुरली के स्वर गोपियों को ध्यान में ले जाते थे अर्थात् आत्मा से जोड़ते थे। गहराई से विचार करें तो गोपियां यानी हमारी कामेन्द्रियां। जो मोह-माया में उलझी रहती, ध्यान साधना से ही वे प्रभु का साक्षात्कार कर सकती हैं।

श्रीकृष्ण की यह मुरली कोई सामान्य नहीं वरन योगमाया है। मुरली में कुल नौ द्वार (छेद) होते हैं उनमें से सात द्वारों में सात सुर समाए हैं। श्रीकृष्ण अपने नाजुक होठों से सारे विश्व पर मीठी फूक डालते हैं और इन्हीं सात स्वरों में सारा आयुर्वेद भी है। आयुर्वेद शरीर के कफ, वात और पित्त का इलाज करता है। इन सात स्वरों में उनकी योजना समाई है। सा, रे, ग - कफ विभाग, म, प, ध - पित्त विभाग, ध, नि, सा - वात विभाग

हर स्वर के हैं देवता

समयानुसार प्रत्येक का राग निश्चित है। उस रोग के मुताबिक वह राग गाया जाता है। प्रत्येक स्वर के देवता भी बताए गए हैं :- षड्ज - सा - अग्नि, ऋषभ - रे - यम, गांधार - ग - चंद्र, मध्यम - म - लक्ष्मी, पंचम - प - गणनाथ सूर्य, धैवत - ध - नारद गणेश, निषाद - नि - लाल सूर्य, ऐसे ये सात स्वर और बाइस श्रुतियों का संगम श्रीकृष्ण की मुरली में सुनाई देता है।

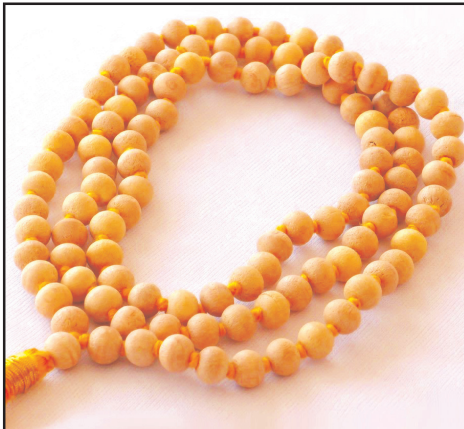
कृष्ण की उंगलियों पर नाचते हैं ग्रह

मानव शरीर के नौ द्वार हैं - दो आंखें, दो कान, दो नथुने, एक मुंह, एक गुदा, एक जननेंद्रि। नौ द्वारों में नवनाथों को बांट दिया है। इसी शरीर में नवग्रहों का वास भी है। भौहों में सूर्य, बिंदु में चंद्र, आंखों में मंगल, हृदय में बुध और गुरु स्थान में विष्णु। पेट में शुक और नाभि में शनि तो गुदा में राहु और पैरों में केतु। ये सारे ग्रह श्रीकृष्ण के हाथों की उंगलियों की ताल पर नाचते हैं। सप्त सूरों में शरीर के सात चक्र खिलते हैं। इन्हीं स्वरों के सामर्थ्य पर श्रीकृष्ण भक्त समाधि लगा सकते हैं। नौ द्वारों वाली मुरली के नाद शरीर की पंच ज्ञानेन्द्रियों, मन, बुद्धि अहंकार और चित्त इन नौ पलों पर इन स्वरों का असर होता है। प्रकारांतर से कृष्ण की मुरली हमें बताती है कि इन्द्रियों पर पकड़ रखकर हम संसार को जीत सकते हैं।

क्या है चंदन का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में चंदन की लकड़ी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। इस लकड़ी को पत्थर पर पानी के साथ घिसकर इसका तिलक बना माथे पर लगाना हिंदू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि चंदन इतना पवित्र होता है कि चंदन की बट्टी और सिल्ली पूजा स्थल पर ही रहनी चाहिए। चंदन एक खास तरह की सुगंधित लकड़ी होती है, इसकी सुगंध बेमिसाल होती है। जैसे-जैसे इसका पौधा बढ़ता है, वैसे-वैसे इसके तने और जड़ों में सुगंधित तेल का अंश बढ़ने लगता है। हिंदू धर्म में चंदन को अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसलिए पूजा के हर कार्य में चंदन की लकड़ी, चंदन का लेप और चंदन के इत्र आदि का प्रयोग किया जाता है। शिवलिंग का अभिषेक भी चंदन से करने की परंपरा प्रचलित है। श्री हरि और उनके अवतारों के लिए सफेद चंदन का लेपन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि देवी की उपासना में लाल चंदन ज्यादा प्रयोग होता है। बौद्ध धर्म में चंदन के प्रयोग से ध्यान करने की परंपरा प्रचलित है।

ज्योतिष में ग्रहों की समस्या के समाधान के लिए भी चंदन का प्रयोग किया जाता है। रोज घर में पूजा के समय चंदन की सुगंध वाली धूप बत्ती जलाएं। चंदन का एक छोटा सा टुकड़ा लेकर इसे नीले कपड़े में रखकर लाकेट की तरह बना लें। शनिवार की शाम को इसे लाल धागे में गले में धारण कर लें।



महाभारत युद्ध में इन देव और दानवों ने लिया था भाग

धरती पर समय-समय पर देव और दानवों ने जन्म लिया है। असुरों ने धरती के कष्टों को बढ़ाया है तो देवों ने धरती के कष्टों का हरण किया है। देवों ने अक्सर मानव जाति के उत्थान के लिए मानव रूप में धरती पर अवतरण किया तो कभी स्वर्गलोक में श्राप की वजह से उनको धरती पर आना पड़ा। महाभारत में ऐसे अनेक योद्धा हुए जो देव और दानव थे, लेकिन धरती पर मानव रूप में आए और किसी कार्य विशेष के पूरा होने या श्राप से मुक्त होते ही धरती से प्रस्थान कर गए। हम आपको बताते हैं महाभारत के वीरों और उनके अवतरण के बारे में। पहले बात दानवों की करते हैं। दानवराज विप्रचिन्ति ने जरासंध और हिरण्यकशिपु ने शिशुपाल के रूप में जन्म लिया था। शिबि दैत्य ने द्रुम राजा के रूप में और वाष्कल ने भगवत के रूप में जन्म लिया था। दैत्य कालनेमी ने कंस के रूप में जन्म लिया था। देव, मुनि, ऋषि आदि अनेक महापुरुषों ने महाभारत काल में धरती पर अवतरण लिया था। इसमें भरद्वाज मुनि के यहां बृहस्पति के अंश के रूप में द्रोणाचार्य ने जन्म लिया था। वह श्रेष्ठ धनुर्धर, उत्तम शास्त्रवेत्ता और तपस्वी थे। और द्रोणाचार्य के यहां पर महादेव, यम, काल और क्रोध के सम्मिलित अंश भयानक अभयामा ने जन्म लिया था। महर्षि वशिष्ठ के श्राप से और इन्द्र की आज्ञा से आठों वसु महाराज शान्तनु से गंगा के गर्भ से उत्पन्न हुए थे। इनमें सबसे छोटे भीष्म थे, जो कौरवों के रक्षक और श्रेष्ठ वक्ता थे। रुद्र के एक गण ने कृपाचार्य के रूप में जन्म लिया था। मरुदगम के अंश से सात्यकि, द्रुपद, कृतवर्मा और विराट का जन्म हुआ था।

अरिष्ठा का पुत्र हंस, जो गंधर्वाज था ने धृतराष्ट्र के रूप में जन्म लिया था और हंस के छोटे भाई पाण्डु के रूप में अवतरित हुए थे। सूर्य के अंश धर्म के रूप में विदूर का अवतरण हुआ तो कलयुग के रूप में दुर्योधन का जन्म हुआ, जो कुल के नाश की वजह बना। पुलस्त्य वंश के राक्षसों ने दुर्योधन के सौ भाइयों के रूप में जन्म लिया, लेकिन धृतराष्ट्र का वह पुत्र जिसका नाम युयुत्सु था, उसका जन्म एव वेश्या के गर्भ से हुआ था इससे वह इन सभी से अलग स्वभाव का और धर्मप्रेमी था।

